सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हम अभी उस स्थिति में नहीं हैंः आगामी टी20 विश्व कप पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान -पेजः 7

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 213 | मंगलवार 11 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

लाल किले के पास कार में रहस्यमयी विस्फोट, 8 की मौत, कई घायल, दिल्ली पुलिस जांच में जुटी, सुरक्षा अलर्ट

नई दिल्ली एजेंसीः दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार को एक विस्फोट हुआ, जिसमें कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में विस्फोट हुआ, जिसके बाद तीन से चार वाहनों में भी आग लग गई और उन्हें नुकसान पहुँचा। दिल्ली अग्निशमन विभाग (डीएफएस) ने एक बयान में कहा, "लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में विस्फोट की सूचना मिली थी, जिसके बाद तीन से चार वाहनों में भी आग लग गई और उन्हें नुकसान पहुँचा।" खबर के मुताबिक इसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। विस्फोट में 8 लोगों की मृत्यु की पुष्टि की बात भी कही जा रही है। धमाके के बाद आसपास खड़ी गाड़ियों के भी शीशे टूट गए। जिस समय यह धमाका हुआ उस समय वहां पर काफी भीड़ थी। फिलहाल दिल्ली पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट की सूचना शाम करीब 6:55 बजे मिली, जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके तुरंत बाद आग पर काबू पा लिया गया। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि विस्फोट के कारण कई घायलों को एलएनजेपी अस्पताल लाया गया है। विस्फोट की तीव्रता के कारण कार के पुर्जे इधर-उधर बिखरे देखे गए। विस्फोट के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद है।

'भारत में नया जिन्ना पैदा नहीं होना चाहिए', योगी आदित्यनाथ ने विभाजनकारी तत्वों को चेताया

योगी आदित्यनाथ ने 'एकता यात्रा' के दौरान विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में कोई नया जिन्ना पैदा नहीं होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय एकता पर बल देते हुए युवाओं में देशभक्ति पोषण करने और समाज को धार्मिक या वैचारिक आधार पर बांटने वालों का मुकाबला करने का आह्वान किया।

लखनऊ एजेंसीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राष्ट्रीय एकता और भारत के संस्थापकों के प्रति सम्मान का आह्वान किया और समाज में फूट डालने की कोशिश कर रही विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ चेतावनी दी। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'एकता यात्रा' के दौरान गोरखपुर में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में कोई नया जिन्ना कभी पैदा नहीं होना चाहिए और अगर कोई उनके नक्शेकदम पर चलने की हिम्मत करता है, तो उसे खतरा पैदा करने से पहले ही रोक दिया जाना चाहिए। योगी ने राष्ट्रीय नायकों का सम्मान न करने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि 31 अक्टूबर को लोग सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने वाले कार्यक्रमों में शामिल नहीं होते, लेकिन शर्मनाक रूप से जिन्ना के सम्मान में आयोजित

कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि अगर हमारे नायकों का सम्मान नहीं किया गया, तो हमारे देश का क्या होगा? स्कूलों में 'वंदे मातरम' अनिवार्य होगा। आदित्यनाथ ने यह भी घोषणा की कि उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाना अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज को गर्व और कृतज्ञता की भावना के साथ वंदे मातरम का पाठ और गायन करना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि युवाओं में देशभक्ति और एकता का पोषण करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से भारत की अखंडता और सद्भाव को कमजोर करने वालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हमें उन कारकों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करना चाहिए जो समाज को धार्मिक या वैचारिक आधार पर विभाजित करते हैं। भविष्य में भारत की अखंडता को चुनौती देने वाला कोई जिन्ना पैदा नहीं होना चाहिए।" एकता यात्रा (एकता मार्च) का आयोजन "भारत के लौह पुरुष" सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में राज्यव्यापी समारोहों के एक भाग के रूप में किया गया था। आदित्यनाथ ने कहा कि यह आयोजन नागरिकों के बीच एकता और जागरूकता के सामूहिक आह्वान का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "आज की एकता यात्रा प्रत्येक भारतीय के लिए मतभेदों से ऊपर उठने और एक मजबूत, एकजुट भारत के लिए मिलकर काम करने का संदेश है।" उन्होंने अपने संबोधन का समापन राष्ट्रीय गौरव और देश की विरासत के प्रति सम्मान की अपील के साथ किया।

चुनाव आयोग को मृत कहने पर रविशंकर प्रसाद गरजे, 'संस्थाओं पर हमला तेजस्वी की फितरत'

नई दिल्ली एजेंसीः चुनाव आयोग को मृत और औजार कहने पर राजद नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा कि लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करना उनकी फितरत है, और कहा कि विधानसभा चुनाव जंगल राज और सुशासन के बीच की लड़ाई है। भाजपा नेता ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि मेरा प्रतिवाद यह है कि चाहे राहुल गांधी हों या उनके सहयोगी दल, जब भी उन्हें अपनी मनचाही चीज नहीं मिलती, वे चुनाव आयोग, अदालतों, कैग और संसद जैसी संस्थाओं के बारे में ओछे बयान देने लगते हैं। लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करना उनकी फितरत

है। प्रसाद ने आगे कहा कि यह चुनाव जंगल राज और सुशासन के बीच है। तेजस्वी अपने पिता की कुशासन, भ्रष्टाचार और भय की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। तेजस्वी यादव अपने पिता के जंगल राज की विरासत के मुखिया हैं... दोनों बार जब नीतीश कुमार लालू परिवार से अलग हुए, तो उन्होंने कहा कि उनके पास बिहार में भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। तेजस्वी यादव की इस टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए कि उद्योग केवल भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों स्थापित किए जाते हैं, प्रसाद ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री को अपना होमवर्क करने की जरूरत है। तेजस्वी ने आज कहा कि सारे उद्योग सिर्फ. भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों लग रहे हैं? बिहार या तमिलनाडु में क्यों नहीं? मैं हमेशा कहता हूँ कि राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते। लगता है उनके साथ रहकर तेजस्वी भी उसी हालत का शिकार हो गए हैं। तेजस्वी, थोड़ा होमवर्क जरूर करें। आप मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, हालाँकि आप कभी बनेंगे नहीं। इससे पहले आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए पुरुष और महिला मतदाताओं के आँकड़े प्रकाशित न करने पर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा और इसे मृत और औजार बताया।

युवाओं के भविष्य पर संकट! आईआईटी में प्लेसमेंट-सैलरी गिरी, जयराम रमेश ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली एजेंसीः कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को मोदी सरकार पर आईआईटी से कथित तौर पर डेटा छिपाने का आरोप लगाया, जिसमें प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों के प्रतिशत और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अंतिम वर्ष के बीटेक छात्रों द्वारा प्राप्त औसत वेतन पैकेज में काफी गिरावट दिखाई गई है। कांग्रेस सांसद ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए पर लिखा कि आईआईटी के नए आंकड़े - जिन्हें मोदी सरकार ने संकलित किया लेकिन प्रकाशित नहीं किया - प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों के प्रतिशत और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अंतिम वर्ष के बीटेक छात्रों द्वारा प्राप्त औसत वेतन पैकेज में उल्लेखनीय गिरावट दिखाते हैं। रमेश ने आरोप

लगाया कि 2021-22 और 2023-24 के बीच - सात सबसे पुराने आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 11 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन में 0.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। अगले सबसे पुराने आठ आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 9 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में 2.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। आठ सबसे नए आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 7.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में 1 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। कांग्रेस सांसद ने कहा कि बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और वेतन में स्थिरता की दोहरी समस्याएँ स्पष्ट रूप से भारत के सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों तक भी पहुँच गई हैं। इससे पहले, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए "अंतर्राष्ट्रीय रोजगार स्थानांतरण अधिनियम" या "लक्ष्य अधिनियम" पर चिंता जताई और कहा कि इसके भारत के आईटी और सेवा क्षेत्रों पर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि HIRE अधिनियम अमेरिका में इस बढ़ती मानसिकता को दशार्ता है कि भारत में सफेदपोश नौकरियाँ "नहीं जानी चाहिए", ठीक उसी तरह जैसे चीन में नीलीपोश नौकरियाँ "गायब" हो गईं। इस संरक्षणवादी भावना के भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

तेजस्वी का पीएम मोदी पर तीखा हमलाः पूछा, बिहार के लिए रोडमैप कहाँ, क्या वेब सीरीज देख रहे हैं?

बिहार एजेंसीः राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और उन पर बिहार में भ्रष्टाचार की अनदेखी करने और राज्य के विकास के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप पेश करने में विफल रहने का आरोप लगाया। राजद नेता तेजस्वी यादव, जो महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भी हैं, ने प्रधानमंत्री मोदी पर तब तंज कसा जब उन्होंने कैमूर में अपनी चुनावी रैली के दौरान एक आपत्तिजनक गाने का हवाला देते हुए राजद पर निशाना साधा था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इतनी सारी बैठकें की हैं, उन्हें कम से कम हमें यह रोडमैप तो देना चाहिए कि वह अगले पांच सालों में बिहार को कैसे आगे ले जाएंगे। अब वह तरह-तरह के गाने गा रहे हैं। वह कौन सी वेब सीरीज देख रहे हैं? प्रधानमंत्री के पास कितना खाली समय है। प्रधानमंत्री पर अपने हमले तेज करते हुए राजद नेता ने कहा, "तेजस्वी यहाँ नौकरियाँ बाँटते

हैं। प्रधानमंत्री को सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, मंगल पांडे का भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी नहीं दिखी। क्या प्रधानमंत्री ने इन लोगों से कोई सवाल पूछा? इन लोगों से कोई सवाल नहीं करता। प्रधानमंत्री ने बिहार के कुख्यात अपराधियों के साथ मंच साझा किया। क्या प्रधानमंत्री हुलास पांडे, मनोरमा देवी, आनंद मोहन, सुनील पांडे, राजवल्लभ और अनंत सिंह को संत मानते हैं?" उन्होंने हाई-प्रोफाइल मामलों में कथित पक्षपात को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया, "प्रधानमंत्री ने सृजन घोटाले के मुख्य आरोपी विपिन शर्मा के लिए एक विशेष पास भी जारी किया और उसे हवाई अड्डे पर बुलाकर उसकी पीठ थपथपाई। क्या अनंत सिंह, हुलास पांडे, राजवल्लभ, मनोरमा देवी, आनंद मोहन और सुनील पांडे बहुत अच्छे लोग हैं?" यादव ने आरोप लगाया, "अगर आप भाजपा में शामिल हो गए, तो आपके पाप धुल जाएँगे। गंगा में स्नान करने की कोई गारंटी नहीं है कि आपके पाप धुलेंगे या नहीं... वे कुछ भी करें, इस बात की गारंटी है कि उनके पाप धुल जाएँगे।" उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में पुरुष और महिला मतदान के आंकड़े प्रकाशित न करने पर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण भी माँगा। राजद नेता ने कहा, "चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को था। आज 10 नवंबर है। 4 दिन बाद भी डेटा सार्वजनिक नहीं किया गया है... पहले, वे उसी दिन मैन्युअल रूप से बता देते थे। डेटा क्यों छिपाया जा रहा है? मतदान 11 नवंबर को है और मतदान 14 तारीख को है। लेकिन आपको 4 दिनों से ज्यादा पता नहीं चलेगा कि कितने वोट पड़े... भाजपा अपने पापों को करती रहेगी और चुनाव आयोग उसे ढकता रहेगा... चुनाव आयोग मर चुका है और एक औजार बन गया है।" बिहार चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ

एसआईआर को ममता ने बताया 'सुपर इमरजेंसी' बोलीं- मेरा गला काट दो पर मतदाता न हटाओ

पश्चिम बंगालः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रोकने की माँग की है और इसे सुपर इमरजेंसी बताया है। उत्तर बंगाल में एक प्रशासनिक बैठक में बोलते हुए, ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर चुनाव अधिकारियों को व्यस्त रखने का आरोप लगाया ताकि सरकार अगले तीन महीनों तक ठीक से काम न कर सके। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया पर रोक लगा दी जानी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि यह लोगों को बदनाम करने की जानबूझकर की गई कोशिश है! इतने लोग मारे गए, चुनाव आयोग ने एक भी शोक संदेश नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, "आप मुझे जेल भेज सकते हैं या मेरा गला काट सकते हैं, लेकिन एक भी

असली मतदाता का नाम मत काटो। बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने की जरूरत पर संदेह जताया और इसे "वोटबंदी" की कवायद बताया। उन्होंने भारत की सुरक्षा स्थिति और कथित घुसपैठ को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी हमला बोला और कहा कि आंतरिक सुरक्षा, सीआरपीएफ और बीएसएफ उनके अधीन आते हैं और उनके इस्तीफे की मांग की। मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की भी आलोचना की और इसे एक बड़ी भूल बताया जिसे वापस लिया जाना चाहिए। पिछले हफ़्ते, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और जोर देकर कहा कि अगर "एक भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूट गया" तो केंद्र की भाजपा सरकार का गिरना तय है। उन्होंने सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर भाजपा का राजनीतिक हथियार होने का आरोप लगाया और कहा कि यह संशोधन अभियान चुनिंदा और दुर्भावनापूर्ण इरादे से चलाया जा रहा है।

राजनीतिक दीघार्यु की मिसाल हैं नीतीश कुमार, चिराग पासवान ने बताया बिहार की 'जरूरत'

बिहार एजेंसीः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्य के लिए "जरूरत" बताया और चुनौतियों के बावजूद राजनीतिक दीघार्यु के मामले में उन्हें एक उदाहरण बताया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, पासवान ने कहा कि एक राजनीति विज्ञान के छात्र के रूप में, मैं कहूँगा कि नीतीश जी एक जरूरत हैं, और मैं यह सकारात्मक रूप से कह रहा हूँ। जब मैं कहता हूँ कि मैं राजनीति का छात्र हूँ, तो यह एक और उदाहरण है। यह मेरे भविष्य के लिए बहुत उपयोगी होगा यदि मैं समझ सकूँ कि आप तमाम उतार-चढ़ावों के बावजूद दो दशकों तक सत्ता में कैसे बने रहे। आप जानते हैं, आज उनके खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर नहीं दिख रही है। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कोई सत्ता-विरोधी लहर नहीं है, और इसके लिए कल्याणकारी योजनाओं और वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य के प्रति जनता की सहानुभूति को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने आगे कहा कि कोई सत्ता-विरोधी लहर नहीं है। मैं यह बहुत ईमानदारी से कह रहा हूँ। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि 2020 में मैंने अनुभव किया कि अभी भी शिकायतें थीं - यह नहीं हुआ, वह नहीं हुआ। लेकिन या तो

कल्याणकारी योजनाओं की वजह से या फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाने की वजह से... यहाँ तक कि जो मीम्स बनाए गए। चिराग पासवान ने कहा कि मेरा मतलब है, जहाँ तक

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कोई सत्ता-विरोधी लहर नहीं है, और इसके लिए कल्याणकारी योजनाओं और वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य के प्रति जनता की सहानुभूति को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने आगे कहा कि कोई सत्ता-विरोधी लहर नहीं है।

उनके स्वास्थ्य का सवाल है, अगर आप किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो हम उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे हमारे परिवार में कोई बुजुर्ग होता है। इस तरह, जितना ज्यादा लोग उन्हें यह कहकर निशाना बनाते हैं कि वह बेहोशी की हालत में हैं, उतना ही ज्यादा मैं देखता हूँ कि लोग उनसे जुड़ते हैं। लोग कहते हैं, देखो, वह तब भी लड़ रहे हैं - और यह सच भी है। पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुनावी ऊर्जा की तुलना राजद नेता तेजस्वी यादव से की और उनकी फिटनेस और सतर्कता पर सवाल उठाए। जब तेजस्वी घर से बाहर निकले भी नहीं थे और बातचीत पूरी भी नहीं की थी, तब मैंने देखा कि मुख्यमंत्री नीतीश चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। तो अब आप ही बताइए कि स्वास्थ्य के लिहाज से कौन ज्यादा फिट और ज्यादा सतर्क है। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतीश कुमार छठ पर उनके घर खरना प्रसाद खाने आए थे। पासवान ने जोर देकर कहा कि ऐसा करना सकारात्मक संबंधों का प्रतीक है, और कहा कि अगर रिश्ते अच्छे नहीं होते, तो नीतीश कुमार इस मौके पर उनके साथ शामिल नहीं होते।

संपादकीय

अस्वीकार्य हथकंडे

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दशार्ता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने, जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं।

निस्संदेह, इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि वे पूरी तरह एक-दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं।

चिंतन-मनन

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा। यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है। पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आक्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षतः पुष्ट करते हुए कह दिया, मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया।

आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सिल्वर इकोनॉमी अर्थात बुजुर्ग बने अर्थव्यवस्था की रीढ़

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में एक दिलचस्प बदलाव के दौर से गुजर रही है। जहां अब तक देश की आर्थिक ऊर्जा का स्त्रोत युवा पीढ़ी को माना जाता था, वहीं अब यह तस्वीर बदलती नजर आई है। अर्थशास्त्री इसे सिल्वर इकोनॉमी का युग बता रहे हैं, यानी बुजुर्गों पर आधारित अर्थव्यवस्था। एक ओर कर्ज. और उपभोक्तावाद में डूबे युवा हैं, तो दूसरी ओर स्थिर आय, बचत और विवेकपूर्ण खर्च के कारण बुजुर्ग वर्ग अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनकर उभरा है। इस संबंध में बैंकिंग डेटा का उल्लेख किया जा सकता है, जिसमें यह बताया जा रहा, कि 2023 से 2025 के बीच 25 से 40 वर्ष के युवाओं का औसत कर्ज. 42 प्रतिशत बढ़ा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आसान कर्ज. की उपलब्धता और दिखावे की संस्कृति ने युवाओं की बचत खत्म कर दी है। मोबाइल, गाड़ियां, फैशन और ऑनलाइन शॉपिंग जैसी चीजों ने उनकी कमाई को ईएमआई अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। नतीजे में युवा वर्ग कर्ज के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आज का युवा उधारी के जाल में फंसकर आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया है। इसके उलट, बुजुर्गों ने अपने जीवनकाल में आय का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा बचत के रूप में सुरक्षित रखा। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारत की घरेलू बचत का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के पास है। रिटायरमेंट फंड, पेंशन, ब्याज और संपत्ति से उन्हें स्थिर आय मिल रही है। यही वजह है कि अब बाजार की नजर इस सिल्वर क्लास पर है। हेल्थकेयर, वेलनेस, बीमा, फार्मा, एस्टेट और टूरिज्म सेक्टर इस वर्ग को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रहे हैं। लो-शुगर फूड्स, जॉइंट केयर उत्पाद, सीनियर-फ्रेंडली होम्स और तीर्थ यात्राओं जैसी सेवाएं तेजी से बढ़ी हैं। बुजुर्गों के लिए विशेष आवासीय सोसाइटियों की मांग में 28 प्रतिशत और वेलनेस टूरिज्म में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तकनीकी रूप से पहले पिछड़े माने जाने वाले बुजुर्ग अब डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। यूपीआई पेमेंट, ऑनलाइन दवाइयों की खरीद, ई-हेल्थ कंसल्टेशन और डिजिटल निवेश में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। सिल्वर इकोनॉमी ने न सिर्फ बाजार को नया उपभोक्ता वर्ग दिया है, बल्कि डिजिटल ट्रांजैक्शन को भी बूस्ट किया है। दिलचस्प बात यह है कि जो बुजुर्ग पहले परिवारों पर आश्रित माने जाते थे, अब वही कई परिवारों की आर्थिक रीढ़ बन गए हैं। बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और स्वास्थ्य बीमा जैसे जिम्मेदारियों का बड़ा हिस्सा आज बुजुर्गों की पेंशन या जमा पूंजी के ब्याज से पूरा हो रहा है। उनके अनुभव और वित्तीय अनुशासन ने उन्हें आधुनिक भारत की आर्थिक स्थिरता का आधार बना दिया है। भारत सरकार ने भी इस बदलाव को पहचाना है। यही वजह है कि 2024 में जारी सिल्वर इकोनॉमी पॉलिसी फ्रेमवर्क के तहत बुजुर्गों के स्वास्थ्य, रोजगार और वित्तीय सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक भारत की सिल्वर इकोनॉमी 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान स्वास्थ्य, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं का होगा। हालांकि इस परिवर्तन की एक चिंताजनक दिशा भी है, युवा वर्ग का बढ़ता कर्ज. और घटती बचत। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भविष्य में युवा आर्थिक रूप से बुजुर्गों पर निर्भर होते चले जाएंगे। इससे न सिर्फ आर्थिक बल्कि सामाजिक संतुलन पर भी असर पड़ेगा। बहरहाल भारत की सिल्वर इकोनॉमी आर्थिक परिवर्तन की कहानी है, जो यह दशार्ती है कि अनुशासन, बचत और स्थिरता कितनी दूर तक समाज को संभाल सकती है। इस बदलाव से सबक लेते हुए युवा पीढ़ी की अब यह जिम्मेदारी हो जाती है कि वह अपनी वित्तीय आदतों में सुधार लाए, और आय-बचत के बीच संतुलन स्थापित करे। यदि ऐसा हुआ, तो भारत न केवल सिल्वर इकोनॉमी का लाभ उठाएगा, बल्कि इसे स्वर्णिम अर्थव्यवस्था में बदल देगा, जहाँ अनुभव और ऊर्जा, दोनों मिलकर विकास की नई कहानी लिखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सुरक्षा और पशु कल्याण की दिशा में बड़ा कदम

कांतिलाल मांडोत

देश में बढ़ते सड़क हादसों, अव्यवस्था और पशु क्रूरता की घटनाओं के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं और आवारा कुत्तों को तुरंत हटाएं और उन्हें सुरक्षित आश्रयों में रखें। यह आदेश न केवल सड़क सुरक्षा से जुड़ा है बल्कि यह पशु-कल्याण, सार्वजनिक स्वच्छता और मानवीय संवेदना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय, एनएचएआई और सार्वजनिक निर्माण विभाग यह सुनिश्चित करें कि राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और सार्वजनिक स्थलों पर कोई भी आवारा पशु या कुत्ता न दिखे।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इन पशुओं को मारना या दूर फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें पशु आश्रयों में उचित देखभाल के साथ रखा जाए।संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी और इसका पालन करना जरूरी है। वरना अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा।इस मामले में तीन हफ्ते से स्टेट रिपोर्ट और हलफननामा मांगने को कहा है।सड़को पर समूह में गाय और भैंसे बैठ जाती है।आवारा कुत्तों का आतंक भी देश के शहरों की गलियो और गांव के मोहल्ले में आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना और आवारा कुत्तों के काटने की घटना अक्सर होती है।आवारा पशुओं के कारण यातायात प्रभावित होता है।इतना ही नही,आवारा पशु सड़क पर बैठे रहते है तो दुर्घताग्रस्त होते देखे गए है। पशुओ के हटाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने पहले भी दिया है।राजमार्गो से पशुओ को हटाने के निर्देश और आवारा कुत्तों पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था।आवारा कुत्तों की मौजूदगी से मुक्त करने का उद्देश्य विफल भी हुआ था।सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए प्रत्येक हाईवे के किनारे हेल्पलाइन नंबर और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं ताकि कोई भी व्यक्ति तुरंत सूचना दे सके।

नगरपालिकाएं और पंचायतें मिलकर स्थायी आश्रय गृह बनाएं, जहाँ चिकित्सा, भोजन और सुरक्षा की उचित व्यवस्था हो। सड़क सुरक्षा और जनहित का पक्ष लेते हुए सुप्रीम ने निर्देश दिए है।हररोज दुर्घटना आवारा पशुओं के कारण होती है।भारत में सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण आवारा पशु और कुत्ते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जिम्मेदारी तय कर रिपोर्ट देने का आदेश जारी किया है।जिसमे स्कूल,अस्पताल, बस स्टैंड से अगले आठ हफ़्तों से आवारा कुते हटाना होगा।

भूटान में आवारा कुत्तों की नसबंदी के अभियान में सम्पूर्ण सफलता मिली है।उसी की तरह नीदरलैंड पहला यूरोपीय देश है, जहा सड़को पर आवारा कुत्ते नही है। भारत मे हर गांव में सैकड़ो कुत्ते मिल जाएंगे।जिनका कहर निर्दोष मासूमो पर बरपाया जाता है।क्योकि नन्हे बच्चे कुतो का सामना नही कर सकते है।कभी कभी बड़े बुजुर्ग भी डॉग बाइट का शिकार होते है।

भारत में आवारा कुत्तों तथा अन्य मुक्त घूमने वाले पशुओं के हमले-दुर्घटनाएँ एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी हैं। न सिर्फ काटने - हमले के कष्ट बल्कि रोग संक्रमण रेबीज और दुर्घटनाओं के रूप में इसका व्यापक प्रभाव है।

भारत में वर्ष 2024 में लगभग 3,717,336 37.17 लाख कुत्तों द्वारा काटे जाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। वर्ष 2023 में लगभग 30.43 लाख कुत्तों द्वारा काटे जाने के मामले थे, जिनमें 286 लोगों की मृत्यु हुई। एक अन्य सरकारी आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2024 में कुत्तों द्वारा काटे जाने के लगभग 21.95 लाख मामले और अन्य जानवरों जैसे बन्दर आदि द्वारा लगभग 5.04 लाख मामले थे, तथा इस दौरान लगभग 48 लोगों की मौत हुई।

विशेष रूप से बच्चों की स्थिति चिंताजनक है । वर्ष 2024 में कुत्तों द्वारा काटे जाने वाले कुल मामलों में लगभग 5,19,704 मामले केवल 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के थे। हालांकि सरकार द्वारा 2024 के लिए अनुमानित कुल मानव रेबीज मृत्यु सिर्फ 54 बताई गई है।

लेकिन शोध एवं अन्य सर्वेक्षण बताते हैं कि वास्तविक मृत्यु संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है । भारत में हर साल लगभग 18,000-20,000 रेबीज मृत्यु होती हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि कुत्तों और अन्य आवारा पशुओं द्वारा काटे जाने की घटनाएँ लाखों में हैं, और इससे जुड़ी मृत्यु-दर तथा दुर्घटनाओं की संख्या चिंताजनक रूप ले रही है।आवारा कुत्तों की संख्या एवं मानवीय-पर्यावरणीय स्थिति चिंताजनक है। भारत में बड़े-बड़े शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बहुत अधिक है। उदाहरण के लिए, एक सर्वेक्षण में बताया गया कि भारत में लगभग 6.2 करोड़ 62 मिलियनआवारा कुत्ते हो सकते हैं। कचरा प्रबंधन, खाद्य स्त्रोत, अनियंत्रित प्रजनन, और आवासीय-शहरी विस्तार जैसी स्थितियों ने इन जानवरों के मानव निवास के करीब आने की संभावना बढ़ा दी है।

कुत्तों एवं अन्य जानवरों द्वारा मानवों पर हमला या काटने की स्थितियाँ बढ़ रही हैं, विशेष रूप से बच्चों, वृद्धों और काम करने वाले लोगों में अधिक है। वर्ष 2024 में लगभग 60 घंटों में एक बार बच्चों द्वारा कुत्तों द्वारा काटे जाने की दर सामने आई थी।

इसके अलावा वाहन-दुर्घटनाएँ भी होती है।आवारा पशु अचानक सड़क पर आने से वाहन चालक अनियंत्रित हो सकते हैं या दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। विशेष रूप से रात में व ग्रामीण इलाकों में यह जोखिम अधिक है।

रेबीज-संक्रमण का खतरा कुत्तों द्वारा काटे जाने के बाद यदि समय पर एंटी-रेबीज टीकाकरण एवं पशु-क्षेत्र की निगरानी न हो तो मृत्युदर बहुत अधिक हो सकती है। रेबीज एक-बार लक्षण दिखने के बाद लगभग 100 % घातक है। भारत में रेबीज के लिए लक्षित कार्यक्रम चल रहे हैं लेकिन अभी तक स्थितियाँ लक्ष्य के अनुरूप नहीं हैं।

अधिकारियों द्वारा दर्ज की गयी संख्या व अनुमानित संख्या में अंतर है।सरकार द्वारा घोषित 54 मौतें और कुछ शोधों के अनुसार लगभग 5,700 अनुमानित मौतों के अंतर को लेकर चिंताएँ हैं। वैकसीनेशन और पशु-संख्या नियंत्रण में कमियों के कारण समस्या गंभीर है । भारत में 2024 तक एनीमल बर्थ कंट्रोल (अइउ) नियम2023 जैसे निर्देश जारी किये गए लेकिन उनका क्रियान्वयन सुचारू नहीं है।

स्थानीय-शहरी-ग्रामीण भिन्नताएँ है।शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का चयन, मानव-पशु संघर्ष अधिक देखा जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य-सुविधाओं की कमी जोखिम बढ़ाती है। दुर्घटनाओं की संख्या का स्पष्ट आँकड़ा नहीं मिलना है।जहाँ काटे जाने की संख्या उपलब्ध है, वाहन और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं जैसे वाहन-पशु टक्कर के कारणों व संख्या पर विश्वसनीय डेटा कम है।

जब एक आवारा कुत्ता काटता है, तब समस्या सिर्फ शारीरिक घाव तक सीमित नहीं रहती। इसके बाद ये स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।काटे जाने से डर-चोट की वजह से लोगों का जीवन प्रभावित होता है ।खेल-कूद से दूर रहने, सामाजिक गतिविधियों में कमी आदि पर चिंतन किया जाना चाहिए। वाहन चलाते समय अचानक कुत्ता सड़क पर आ जाने से वाहन चालक फिसल सकते हैं, ब्रेक अचानक लगा सकते हैं, या टकराने-उछलने की वजह से दुर्घटना हो सकती है। शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य-व्यय बढ़ता है।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है। भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक 'थर्ड वे' आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है।

भारतीय आर्थिक दर्शन में 'विपुलता के सिद्धांत' की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में

40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है।

प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार 'प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत' का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, 'मूल्य सिद्धांत' के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार 'पैटेंट कानून' के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है।

आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। 'स्वयं के नियोजन के सिद्धांत' का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में 'नौकरी' करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अतः बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में 'नौकरी' का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है। कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रैजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवतः उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'शून्य ब्याज दर के सिद्धांत' का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था। क्योंकि, यह उस राज्य के राजा का कर्तव्य माना जाता था कि वह अपने राज्य के नागरिकों को उचित मात्रा में व्यवसाय करने के लिए धन उपलब्ध कराए। इस प्रकार, भारत के प्राचीन खंडकाल में ब्याज की दर भी शून्य रहा करती थी। इससे, स्थानीय नागरिक भी अपना व्यवसाय स्थापित करने की ओर प्रेरित होते थे एवं नौकरी करने का चलन नहीं के बराबर रहता था।

गुणवत्ता ही जुबिलेंट की सबसे पड़ी पहचान: विनोद झा

जुबिलेंट इंग्रविया लिमिटेड परिसर में वर्ल्ड क्वालिटी वीक का शुभारंभ, समापन 14 को

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने कहा कि गुणवत्ता ही जुबिलेंट की सबसे बड़ी पहचान है और बाजार में बने रहने के लिए यही सबसे बड़ा मापदंड भी है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बेहतर से बेहतर उत्पाद ही सफल होता है। इसलिए गुणवत्ता से समझौता किसी भी सूरत में नहीं होना चाहिए।

सोमवार को गजरौला स्थित जुबिलेंट इंग्रविया लिमिटेड परिसर में वर्ल्ड क्वालिटी वीक का शुभारंभ जुबिलेंट में यूनिट हेड विनोद झा एवं सेंट्रल क्वालिटी एस्योरेंस हेड संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कारपोरेट आफिस से आए सीक्यूए हेड संजीव

कुमार ने इस सप्ताह के आयोजन के संबंध में जानकारी दी। यूनिट हेड विनोद झा ने कहा कि कंपनी जुबिलेंट को शिखर तक ले जाने में प्रत्येक कर्मी की मेहनत है। कहा कि गुणवत्ता के दम पर ही हम विदेशों में भी अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। कार्यक्रम में डा.समीर सिंह, सुनील ए सिंह, अमित पांडेय ने भी विचार रखे। प्रबंधक क्वालिटी एस्योरेंस देशदीपक मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, नीरज सिंह, आलोक रघुवंशी, माता प्रसाद द्वेदी, डा.भूपेंद्र सिंह, सुधीर सिंह, श्यामवीर सिंह, अंकित भट्ट, रजनीश पांडेय, उपेंद्र सिंह, सूर्यवीर सिंह आदि मौजूद रहे। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि वर्ल्ड क्वालिटी वीक का समापन 14 नवंबर को होगा। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, प्रशिक्षण, कार्यशाला, वॉक एंड टॉक आदि का आयोजन किया जाएगा।

गन्ना प्रजाति 05009 न खरीदने पर भाकियू (असली) के किसानों ने दी अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मील द्वारा गन्ना प्रजाति 05009 को खरीदने से इनकार करने पर भारतीय किसान यूनियन (असली) के किसानों ने गन्ना समिति पर तालाबंदी और अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दी है। किसानों द्वारा चेतावनी की घोषणा रविवार की दोपहर को ब्लॉक परिसर में आयोजित एक बैठक के दौरान की गई। यूनियन के पदाधिकारी डूंगर सिंह ने बताया कि चीनी मिल ने पेराई सत्र शुरू होते ही 05009 प्रजाति के गन्ने की खरीद से मना कर दिया है। किसानों का तर्क है कि यह बीज अगैती प्रजाति में शामिल है जिसे नियम अनुसार मिल को खरीदना चाहिए। यूनियन ने मिल को अल्टीमेटम दिया है कि यदि मिल 12 नवंबर तक 05009 प्रजाति के गन्ने की तोल शुरू नहीं करती है तो

किसान 13 नवंबर को धनोरा की गन्ना समिति पर तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर देंगे। किसानों ने मिल प्रबंधन के इस रवैया को अस्वीकृत बताया है ।इस मामले पर मंडी धनौरा स्थित वेव शुगर इंडस्ट्रीज के गन्ना जीएम जगतवीर सिंह ने कहा है कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि गन्ने की खरीद गन्ना विभाग के नियम अनुसार ही की जाएगी। किसानों की इस बैठक के दौरान वहां पर गुरु बच्चन सिंह ,सोनू गिल ,कपिल ,जयपाल गिल, सचिन कुमार, प्रदीप कुमार, रविंद्र सिंह, नन्हे सिद्धू, खचेड़ू सिंह ,जगदीश यादव, सुरेश यादव, वेद प्रकाश शर्मा, जावेद मलिक, ओमवीर सिंह, जुल्फिकार मलिक, सचिन कौशिक, समरपाल सिंह सहित कई कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे

सीएचसी में कार्यरत फार्मासिस्ट की अचानक मौत

दिवंगत आत्मा की शांती के लिए स्टाफ ने रखा दो मिनट का मौन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत एक फार्मासिस्ट कर्मचारी की अचानक मौत हो गई, जिससे स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ में दुख का माहौल है एवं स्टाफ ने मृतक फार्मासिस्ट की आत्मा शांति के लिए अस्पताल में ही 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी एवं स्वास्थ्य केंद्र का भी दोपहर से पहले अवकाश कर दिया गया। बता दें कि इस मामले में गजरौला सामुद्रिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक

डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएचसी पर कार्यरत एक फार्मासिस्ट कर्मचारी जिनका नाम अरुण शर्मा था उनकी अचानक मौत हो गई। इस दुखद घटना से पूरे सीएचसी स्टाफ में दुख का माहौल है। अस्पताल के समस्त स्टाफ ने मृतक की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। हालांकि प्राप्त जानकारी में मृतक फार्मासिस्ट की मौत का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह घटना स्थानीय समुदाय और स्वास्थ्य केंद्र कर्मचारियों के लिए भावुक क्षण की घड़ी है।

पुलिस लाइन अमरोहा में चल रहे यातायात प्रशिक्षण की परीक्षाएं संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन अमरोहा में दिनांक 04 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ हुए यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत परीक्षार्थियों की आउटडोर एवं इन्डोर परीक्षाएं संपन्न कराई गईं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को यातायात नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, वाहन चालकों के व्यवहार, दुर्घटना प्रबंधन एवं आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों से समृद्ध करना रहा, जिससे जनपद में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं मानक स्तर पर संचालित किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आउटडोर परीक्षाओं का पर्यवेक्षण क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीपकुमार पंत द्वारा तथा इन्डोर परीक्षाओं का पर्यवेक्षण क्षेत्राधिकारी लाइन अभिषेक यादव द्वारा किया गया । जनपद अमरोहा में यातायात के नोडल अधिकारी क्षेत्राधिकारी पंकज त्यागी हैं, जिनके समन्वय में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर्यवेक्षकों द्वारा परीक्षार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया तथा यातायात व्यवस्था से जुड़ी व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले कर्मियों को यातायात प्रबंधन के क्षेत्र में दक्ष एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

जनपद में निवेश प्रोत्साहन हेतु समीक्षा बैठक तथा निर्यात प्रोत्साहन हेतु कार्यशाला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद अमरोहा में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (GBC) 5.0 हेतु जनपद को आवंटित लक्ष्य, निवेश प्रोत्साहन एवं परियोजना क्रियान्वयन हेतु जनपद के विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश में माह नवम्बर में आखिरी सप्ताह में प्रस्तावित 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (GBC 5.0)' के दृष्टिगत जनपद अमरोहा में निवेश लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करने तथा विभागवार कार्य योजना तैयार करने के साथ-साथ औद्योगिक संस्थानों व निवेशकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए

जनपद के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने हेतु निर्देश दिए गए। इस अवसर पर निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो उत्तर प्रदेश, पहले इंडिया फाउंडेशन, डीआसरा फाउंडेशन के सहयोग से जनपद से निर्यात प्रोत्साहन हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जनपद के उद्यमियों / निर्यातकों को प्रदेश की अर्थव्यवस्था में निर्यात की महत्ता से अवगत कराया गया तथा उनको प्रदेश सरकार की निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं से लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। उपायुक्त उद्योग द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नीतियों व योजनाओं से अवगत कराया गया । पहले इंडिया फाउंडेशन की टीम द्वारा सभी उद्यमियों को ई-कॉमर्स पोर्टल्स के माध्यम से निर्यात से जुड़ने हेतु अनुरोध किया गया ।

उनके द्वारा सभी उद्यमियों के साथ इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के उद्यमियों व निर्यातकों द्वारा अपनी-अपनी समस्याओं व सुझावों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उपायुक्त उद्योग, सहायक आयुक्त उद्योग राजकुमार तोमर, इन्वेस्ट यूपी से यशि चौहान, निर्यातक, उद्यमी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला पुलिसकर्मियों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्ममिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

आज उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष करेंगी, महिला उत्पीड़न की समस्याओं का समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यकम चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में जनपद में आज उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, बबीता सिंह चौहान द्वारा, निरीक्षण / भ्रमण कार्यकम निर्धारित है। निरीक्षण / भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला सयुक्त चिकित्सालय अमरोहा में आज प्रातः 10:00 बजे अध्यक्ष द्वारा गोद भराई, अन्नप्राशन एवं कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में

प्रतिभाग किया जायेगा एवं बालिका उपवन में बेटी के नाम वृक्षारोपण भी किया जायेगा। तत्पश्चात 11:15 बजे राजकीय बालिका इण्टर कालेज, अमरोहा में शक्ति संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभाग किया जायेगा, तदोपरान्त विकास भवन सभागार अमरोहा में अध्यक्ष द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण कार्यकम तथा महिला परक योजनाओं की सम्बन्धित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक तथा महिला जनसुनवाई की जायेगी। तथा अन्त में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, अमरोहा का निरीक्षण किया जायेगा। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें।

धनौरा क्षेत्र में चलती बाइक में लगी आग, बाईक सवारों ने कूदकर बचाई जान

कुछ ही मिनटों में बाईक जलकर हुई राख

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनोरा क्षेत्र में एक चलती बाइक में अचानक आग लगने से आसपास में अफरा तफरी का माहौल बन गया। आग लगने पर बाइक सवारों ने किसी तरह बाइक से कूद कर अपनी जान बचाई। वहीं आग लगने से कुछ ही मिनट में बाइक पूरी तरह चलकर राख हो गई। बता दें कि मंडी धनौरा नगर के बायपास मार्ग पर रविवार की देर रात एक चलती अपाचे बाइक में अचानक आग लग गई। इस घटना में बाइक सवार दो युवकों ने किसी तरह बाइक से कूद कर अपनी जान बचाई वहीं आग लगने के कुछ ही मिनट में बाइक भी जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोनों युवक अपाचे बाइक पर सवार

होकर रामलीला मैदान की ओर जा रहे थे, रामलीला गेट के पास पहुंचते ही बाइक से धुआं उठना शुरू हुआ जो देखते ही देखते आग की लपटों में बदल गया देखते ही देखते आग की लपटे तेज हो गई। वहीं बाइक सवार युवकों ने हड़ बड़ाते हुए किसी तरह बाइक से कूद कर खुद की जान बचाई। घटनास्थल के आसपास के लोगों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मौके पर तेज धमाका हुआ जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई, आग की लपटे दूर तक दिखाई दे रही थीं, स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक मोटरसाइकिल पूरी तरह जल चुकी थी। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई हालांकि मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

डीएम ने घरों पर जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण कार्यों को परखा

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेशांनुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एवं शिक्षक निर्वाचन की निर्वाचक नामावलियों की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। गणना प्रपत्रों को कार्ययोजना बनाते हुए कल तक वितरित करने के निर्देश दिए । बैठक में गणना प्रपत्रों का बी०एल०ओ० को वितरण की स्थिति, बी०एल०ओ० द्वारा गणना

प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण की स्थिति, बुक ए कॉल विद बी०एल०ओ० के निस्तारण की स्थिति, वर्ष-2025 से वर्ष 2003 की मतदाता सूची की मैपिंग की स्थिति, बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण के अन्तर्गत प्राप्त फार्मों के वेबसाइट पर अपलोड एवं निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की गई। आज जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा घरों पर जाकर तहसील सदर और नौगांवा सादात में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (SIR) के अन्तर्गत बी0एल0ओ0 द्वारा घर घर जाकर गणना प्रपत्र का कार्यों की जांच की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा की गणना प्रपत्रों वितरण का कार्य ससमय पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही गणना प्रपत्र भरने हेतु मतदाताओ को बी0एल0ओ0 द्वारा सहयोग प्रदान किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी हसनपुर पुष्करनाथ चौधरी, उप जिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी नौगांवा सुनीता सिंह, उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह सहित समस्त तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी,नायब तहसीलदार खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कई स्कूलों का किया निरीक्षण, 11 नवंबर तक गणना प्रपत्र वितरण के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने विकासखण्ड असमोली के प्राथमिक विद्यालय असमोली प्रथम, प्राथमिक विद्यालय मदाला फत्तेहपुर तथा विकासखण्ड सम्भल के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नाहरठेर व उच्च प्राथमिक विद्यालय मण्डलाई में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों और गणना प्रपत्रों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 11 नवंबर तक शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। सर्वप्रथम असमोली प्रथम स्कूल का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने बीएलओ से गणना प्रपत्र वितरण, मैपिंग और एम (मैरिड), डी (डाउट) तथा ओ (बाहरी) वोटरों की जानकारी ली। उन्होंने समर्थ उत्तर

प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश विजन डॉक्यूमेंट 2047 के लिए सुझाव फीडबैक प्राप्त करने, स्कूल में कुर्सियां खरीदने और शिक्षकों के स्वाध्याय के लिए पुस्तकों के अध्ययन पर जोर दिया। मदाला फत्तेहपुर स्कूल में फार्म 6 व 8 के वितरण, क्रॉस वेरिफिकेशन (प्रधान, पूर्व प्रधान व राशन डीलर के साथ) और शैड पर जाली लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही साफ-सफाई और 'मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय' अभियान में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। सम्भल के नाहरठेर स्कूल में गणना रजिस्टर चेक किया गया और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहने की शिकायत पर कार्यकत्री आसिफा को हटाने के आदेश दिए।

स्कूल परिसर के गड्ढे भराई के लिए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया। मण्डलाई स्कूल में भी गणना प्रपत्र वितरण, स्वाध्याय पुस्तकें और शिक्षामित्र हसीना अख्तर को हटाने के निर्देश दिए गए। विजन डॉक्यूमेंट के सुझाव अधिक से अधिक लोगों से लेने पर बल दिया। इसके बाद जिलाधिकारी ने सम्भल के प्राचीन 68 तीर्थों में यमघण्ट तीर्थ के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिशासी अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह, खण्ड विकास अधिकारी प्रेम पाल सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना रजिस्ट्रेशन ई-रिक्शा और अतिक्रमण के खिलाफ चलाया गया अभियान

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार ने सोमवार को कस्बा हयातनगर, सराय तरीन और चौधरी सराय में बिना रजिस्ट्रेशन की ई-रिक्शा तथा सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले ठेलों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। इस कार्रवाई में एआरटीओ संभल और ईओ संभल की टीम भी शामिल रही। अभियान के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और अवैध अतिक्रमण को हटाने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने कई बिना रजिस्ट्रेशन वाली ई-रिक्शा को तथा ठेलों को सड़क किनारे से हटवाया। इससे स्थानीय लोगों को राहत मिली और सड़कों पर जाम की समस्या में कमी आने की उम्मीद है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां नियमित रूप से जारी रहेंगी ताकि जनपद में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। स्थानीय निवासियों ने इस अभियान की सराहना की है।

समिति द्वारा 28वीं कन्या की शादी में किया गया सहयोग

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जन कल्याण सेवा समिति चंदौसी की सदस्यों ने एक कन्या के विवाह में सहयोग हेतु भावना गुप्ता के निवास आवास विकास, चंदौसी स्थित आवास पर एकत्रित होकर सहयोग में 11 साड़ी एक बेडशीट, 1 कालीन,15 घरेलू उपयोगी बर्तन तथा कुछ गिफ्ट आइटम्स एवंडृ3100 की नगद धनराशि से सहयोग किया। समिति द्वारा कन्याओं की शादी में सहयोग की कड़ी में यह 28 वीं कन्या की शादी है। सहयोग करने वाली सदस्याओं में अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय, सचिव भावना गुप्ता, उपाध्यक्ष रेखा रस्तोगी, कोषाध्यक्ष आशा गोस्वामी , मनीषा, अंशु वार्ष्णेय,सोनी रस्तोगी, कांता अदलखा, आभा, अनामिका, पूर्णिमा , पूनम वार्ष्णेय, रेखा अग्रवाल, रचना वार्ष्णेय , राजेश्वरी, दिनेशचंद्र गुप्ता, शरद कुमार वार्ष्णेय आदि का सहयोग व सहभागिता रही।

छात्र की मौत के मामले में करवाई की मांग को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) कुशीनगर से जुड़े छात्र नेताओं ने महा महिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कसया को सौंपकर 9 नवंबर को बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर के डीएवी पीजी कॉलेज के छात्र की मौत के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। सोमवार को उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल को संगठन के अध्यक्ष आसिफ सिद्दकी के नेतृत्व में सौंपे पत्र में छात्र नेताओं ने बताया कि 8 नवंबर, 2025 को बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर

के डीएवी पीजी कॉलेज के छात्र ने कॉलेज प्रिंसिपल और पुलिस कर्मचारियों के द्वारा प्रताड़ित और अपमानित होने के बाद कॉलेज परिसर में आत्मदाह कर लिया और उपचार के दौरान 9 नवंबर की शाम को दम तोड़ दिया।

छात्र ने सोशल मीडिया पर अपने आखिरी पत्र और आखिरी वीडियो में यह साफ बताया है कि फीस न जमा कर पाने के कारण कॉलेज प्रशासन ने उसे परीक्षा में बैठने से प्रतिबंधित कर दिया था जिसके खिलाफ वह संवैधानिक तौर पर अपना विरोध दर्ज करवाने और अपने लिए इंसाफ मांगने के लिए कॉलेज प्रिंसिपल को ज्ञापन देने गया जहां प्रिंसिपल ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। मृतक छात्र ने कॉलेज प्रिंसिपल प्रदीप कुमार और पुलिस को ठहराया है।

छात्र नेताओं ने मांग किया कि घटना के जिम्मेदारों की गिरफ्तारी कर कड़ी करवाई की जाए। इस दौरान नीरज, तेजेंद्र, नेहा सिंह, गोल्डी, मद्धेशिया, खुशी आदि विद्यार्थी मौजूद रहे।

भंते ज्ञानेश्वर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दी श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता

कुशीनगर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को कुशीनगर पहुंचकर भंते ज्ञानेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परमपूज्य भंते ज्ञानेश्वर महा स्थविर के परिनिर्वाण के ग्यारहवें दिन उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्री राय ने भंते ज्ञानेश्वर के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें एक महान बौद्ध संत बताया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देश हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध सहित सभी धर्मों के मानने वालों का है। भंते बौद्ध धर्म के साथ-साथ सभी धर्मों का सम्मान करते थे। इस दौरान श्री राय ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कुशीनगर एयरपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुशीनगर एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं कहा था कि 'हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति अब हवाई जहाज पर चलेगा'। हालांकि, यह एयरपोर्ट आज तक चालू नहीं हो सका है। उन्होंने सरकार पर जुमलेबाजी और जनता को ठगने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार हर मुद्दे पर पूरी तरह विफल है। श्री राय ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी एयरपोर्ट चालू कराने के लिए आंदोलन करेगी। बिहार चुनाव पर टिप्पणी करते हुए अजय राय ने कहा कि आपसी कलह के कारण एनडीए खत्म हो रहा है। उन्होंने ओपी राजभर के जमीन पर काम करने के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि कई दलों को एनडीए से बाहर रखा गया, जिसका फायदा महागठबंधन को मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार से एनडीए के खात्मे की शुरूआत हो चुकी है और अब पूरे देश से एनडीए खत्म हो जाएगा।

म्यांमार के संघ नायक और राजदूत ने किया भिक्षु ज्ञानेश्वर स्मृति द्वार का लोकार्पण

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में आज म्यांमार के मुख्य अतिथि रंगून के अलोडाव्पिय धम्मचारिया विश्वविद्यालय डॉ० न्यानिसारा सितागु सियादो और भारत में म्यांमार के राजदूत उ जा ऊ के द्वारा भिक्षु ज्ञानेश्वर स्मृति द्वार का लोकार्पण किया गया। ज्ञातव्य है कि भंते ज्ञानेश्वर ने महाविद्यालय में इस द्वार को बड़े मनोयोग से बनवाया था और आज अपने जन्मदिन के अवसर पर इसके लोकार्पण की बात पहले से ही तय कर दी थी। इस अवसर पर अपने संबोधन में भंते न्यानिसारा सितागु ने कहा कि भगवान बुद्ध ने शिक्षा के मार्ग को विश्व के कल्याण का सबसे सहज मार्ग माना है। इसलिए शिक्षा संस्थाओं की शैक्षिक समृद्धि से संसार के कल्याण का मार्ग खुलता है। भारत में म्यांमार के राजदूत उ जा ऊ ने कहा कि भदंत ज्ञानेश्वर जी का शिक्षा के प्रति बहुत लगाव था। उन्होंने इसके लिए सदैव सेवा भाव रखा। महाविद्यालय में अच्छे शैक्षणिक माहौल ही उनके लिए पवित्र श्रद्धांजलि होगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने महाविद्यालय से गुरु जी के जुड़ाव की चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद मोहन मिश्र ने दिया। इस दौरान पूर्व विधायक रजनी कांत मणि त्रिपाठी, भंते नंदरतन थेरो, भंते महेंद्र, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल , प्रो वीरेंद्र कुमार, प्रो राजेश कुमार सिंह, प्रो गौरव तिवारी, प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ निगम मौर्य, शिक्षक संघ अध्यक्ष, डॉ० सौरभ द्विवेदी, डॉ० बीना कुमारी, डॉ० त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, डॉ० पारसनाथ, डॉ० कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ० राजीव राय सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया भाजपा नेता व समाजसेवी दयाशंकर पांडेय का जन्मदिन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया नगर स्थित पांडेय भवन पर परमेश्वर महाविद्यालय एवं फील्ड मार्शल जनरल मानेकशॉ इंटरमीडिएट कॉलेज नौतन हथियागढ़, देवरिया के प्रबंधक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दयाशंकर पांडेय का 80 वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केक काटकर उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि दयाशंकर पांडेय जी ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं। वे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को सदैव दिशा मिलती रहेगी। नपा कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि दयाशंकर पांडेय ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का जो प्रयास किया है, वह अनुकरणीय है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने कहा कि दयाशंकर पांडेय जी

हमेशा समाज के बीच समन्वय का सेतु बने रहे हैं। उनके कार्यों से हम सबको सीखने की प्रेरणा मिलती है।

श्री पांडेय के छोटे भाई कृपाशंकर पांडेय ने कहा कि दयाशंकर भैया हमेशा से परिवार और समाज दोनों के लिए प्रेरणा रहे हैं। उनके सुपुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने सदैव सेवा, शिक्षा और संस्कार को सर्वोपरि रखा। पूर्व प्रधानाचार्य हरिशंकर उपाध्याय और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र ऊर्फ इंदू उपाध्याय ने श्री पांडेय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विनयकांत ऊर्फ मुन्ना मिश्र, शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द के प्रबंधक ब्रजेश त्रिपाठी, आद्या पांडेय, एडवोकेट मनोज पाण्डेय, सुमित त्रिपाठी, अमित पांडेय, समाजसेवी पुष्कर दूबे, प्रेमप्रकाश दूबे, पूर्व ग्राम प्रधान दीपक पांडेय, कवि दिनेश तिवारी भोजपुरिया समेत परिजन मुकेश पांडेय, सुनील पांडेय, राजीव पांडेय, संजय पांडेय, राजेश पांडेय, राजन पांडेय उपस्थित रहे।

यूपी : 'अब भाजपा वाले सोना इकट्ठा कर रहे, पहले नोटबंदी से पैसा जुटाया'...

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, किसानों को वोट लेने के लिए गुमराह किया। उनको झूठा आश्वासन दिया। उनसे गया कि आपकी आय दोगुनी हो जाएगी। लेकिन, कुछ नहीं हुआ। आज महंगाई चरम पर हैं। डीजल, पेट्रोल और बिजली का बिल कहां पहुंच गया। आजकल घर बनाना महंगा, सारा सामान महंगा। रुपया तो इन्होंने नोटबंदी से एकत्रित कर लिया है।अब ये इनकी नजर सोने पर है। मुझे लगता है भाजपा सोना एकत्रित कर रही है। तभी तो महंगा हो रहा है। आखिर कहां जा रहा है सोना फिर? आज गरीब आदमी सोने की छोटी की चीज भी बेटी को शादी में नहीं दे पा रहा है। क्योंकि इतना महंगा जो हो गया है। अखिलेश यादव ने कहा, बिहार जा रही 35 हजार लीटर शाराब पकड़ी है। कफ सिरफ की गड़बड़ी में भाजपा के लोग शामिल हैं। 2022 के चुनाव में होने डाटा और आटा फ्री में देने का वादा किया था। हर युवा को मुफ्त मोबाइल देने का वादा किया था। लेकिन, जनता ने स्वीकार नहीं किया। अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री जापान और सिंगापुर जा रहे हैं। वहां से क्यूटो जाएं। ये इमोशन पर सरकार चला रहे हैं। हम लोगों का सपना है की राष्ट्रीय पार्टी बने। इसके लिए 2029 तक इंतजार करना होगा। अस्पताल खोल दिए इलाज की सुविधा नहीं। कैंसर का इलाज नहीं है। ये प्राइवेट अस्पताल का उद्घाटन करके खुश होते है। एसआइआर में आधार न मानने पर कोर्ट जाएंगे। पीडीए का एक वोट न कट जाए। बेईमानी न हो इसके लिए संघर्ष किया जाएगा। बिहार में जंगल राज है। आजम ने कहा तो क्या गलत है। अधिकारी मिलकर जमीनों पर कब्जा करा रहे हैं। सरकार का सूचना तंत्र काफी कमजोर है। इसीलिए तो घुसपैठिये आ रहे हैं।

शरद कालीन गन्ना गोष्ठी: वैज्ञानिक ढंग से खेती से खुशहाली आएगी: अधिशासी अध्यक्ष

संवाददाता

कुशीनगर। गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाकर, खुशहाली लाने, गन्ना किसानों के विकास करने के उद्देश्य से ढाढा चीनी मिल द्वारा गन्ने की वैज्ञानिक खेती के नवीनतम तकनीकी जानकारी देने, चीनी मिल की गन्ना विकास योजनाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है । फाजिलनगर विकासखंड के ग्राम बड़हरा शिव मंदिर परिसर में शरद कालीन गन्ना गोष्टी व किसान मेला का आयोजन हुआ। गन्ना प्रशिक्षण संस्थान पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि अधिक क्षेत्रफल में शरदकालीन गन्ने की बुवाई वैज्ञानिक ढंग से 4 फीट की दूरी पर करें। उपज 350 से 400 कुंतल प्रति एकड़ प्राप्त करें अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को. 118, कोस.13235, को लख 14201,को.15023 तथा पानी वाले खेतों के लिए कॉप 9301 की बुवाई करें। भूमि उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा,बीज गन्ना उपचार के लिए हेक्जास्टाफ का प्रयोग करें। दोहरा लाभ लेने के लिए गन्ने के

साथ छोरिया/ सरसों , आलू ,लहसुन ,गेहूं, धनिया, गोभी ,टमाटर, मूली, पालक आदि की सहफसली खेती करें, आय बढ़ेगी, लागत घटेगी । मिल के उपाध्यक्ष अधिशाषी उपाध्यक्ष गन्ना रविंद्र सिंह ने बताया कि ढाढा चीनी मिल की पेराई क्षमता के अनुसार 144 लाख कुंतल गन्ना चाहिए। गन्ना विकास के लिए ढाढा चीनी मिल 50% अनुदान पर तोरिया का बीज, जैविक पोटाश, कीटनाशक दे रहे हैं । छोटे ट्रैक्टर पर एक लाख का अनुदान दे रही है। उप महाप्रबंधक संजय सिंह, उप गन्ना प्रबंधक राजेश मौर्य, गन्ना विकास अधिकारी अमरजीत वर्मा ने गन्ना प्रजातियों दिखाते हुए समझाया । प्रमुख किसान सुग्रीव सिंह, रमाशंकर कुशवाहा, सुरेंद्र राय, श्रीकृष्ण प्रसाद, राम जी आदि ने कहा गन्ना क्रय केंद्र से समय से गन्ना का उठान नहीं होता है इस पर ध्यान दिया जाए। गोष्ठियों में कन्हैया, प्रमोद सिंह, व्यास राय, शत्रुघ्न राय, सीताराम सिंह, रविंद्र यादव, सुग्रीव सिंह, चन्द्रकेत शाही, विश्राम, परशुराम, अनिल सिंह, केशव सिंह आदि बड़ी संख्या में किसान व स्टाफ शीवेन्द्र विक्रम सिंह, दीपाकर यादव, अरविन्द कुशवाहा, फूल सिंह, राहुल कुमार, विष्णुकान्त मिश्रा उपस्थित थे।

हरियाणा के मुख्य सचिव ने बैंकिंग प्रगति की समीक्षा, ऋण वितरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

चंडीगढ़ (धरणी) : हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि लाभार्थियों के ऋण स्वीकृति और वास्तविक वितरण के बीच की खाई को तुरंत पाटना आवश्यक है। वे आज यहां हुई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 174वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्य सचिव ने बैंकों से अपनी नीतियों की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों सहित सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर तथा पर्याप्त मात्रा में ऋण उपलब्ध कराया जाए। बैठक में राज्य के बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन का विस्तृत आकलन करने के लिए विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों और वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रस्तोगी ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सहयोग प्रदान करने में बैंकों और सरकारी विभागों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण तथा आकांक्षी ब्लॉकों में वित्तीय सेवाओं की अंतिम छोर तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए बैंकों और जिला प्रशासन के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। मुख्य सचिव ने सभी बैंकों से अप्रयुक्त सरकारी जमा राशि का विस्तृत ब्यौरा देने के निर्देश देते हुए कहा कि इस संबंध में एक समग्र रिपोर्ट वित्त आयुक्त एवं सचिव को प्रस्तुत की जाए। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख परिचालन मुद्दों पर चर्चा की और वित्तीय पहुँच एवं दक्षता में सुधार हेतु ठोस सुझाव साझा किए। वित्तीय जागरूकता के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों की भी सराहना की गई। 'योर मनी योर राइट' अभियान के

तहत 825 निष्क्रिय खातों को पुनः सक्रिय किया गया तथा 2.87 करोड़ रुपये से अधिक राशि सही लाभार्थियों को लौटाई गई। यह पहल नागरिकों को उनके भूले-बिसरे जमा धन से जोड़ने में प्रभावी साबित हो रही है। बैठक में बताया गया कि राज्य का बैंकिंग क्षेत्र निरंतर मजबूत वृद्धि के साथ आगे बढ़ रहा है। सितंबर 2025 तक राज्य में कुल जमा राशि 8,68,918 करोड़ रुपये तथा अग्रिम ऋण 7,69,537 करोड़ रुपये रहा। जमा में 12.48 प्रतिशत और अग्रिमों में 14.36 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो हरियाणा की सशक्त आर्थिक गतिविधियों और व्यापक ऋण प्रवाह को दशार्ती है। राज्य का क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात 87 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गया है, जो राष्ट्रीय औसत 60 प्रतिशत से काफी अधिक है। सभी जिलों द्वारा इस लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन किया गया है, जिससे संतुलित एवं समावेशी ऋण प्रसार का संकेत मिलता है।

हरियाणा का बैंकिंग नेटवर्क भी निरंतर विस्तार पर है। राज्य में बैंक शाखाओं की कुल संख्या बढ़कर 5,582 हो गई है, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र की 2,733, निजी क्षेत्र की 1,941, स्मॉल फाइनेंस बैंकों की 218 और हरियाणा ग्रामीण बैंक की 690 शाखाएँ शामिल हैं। प्राथमिक क्षेत्र ऋण वितरण (प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग) में बैंकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अर्धवार्षिक लक्ष्य का 121 प्रतिशत प्राप्त किया। बैंकों द्वारा 1,56,572 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 1,89,741 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। कृषि क्षेत्र ने 99 प्रतिशत और एमएसएमई क्षेत्र ने 145 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया, जो लघु उद्यमों को सशक्त करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। बैठक में केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 30,754 आवेदकों ने कौशल प्रशिक्षण पूरा किया तथा बैंकों ने 7,000 से अधिक मामलों को स्वीकृति प्रदान की। पारंपरिक व्यवसायों के लिए 14,306 टूलकिट वितरित की गईं, जिससे कारीगरों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि 2.0 योजना (पीएम स्वनिधि) में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे प्रमुख बैंकों ने रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को ऋण वितरण में अग्रणी भूमिका निभाई है।

भारत को दहलाने की साजिश नाकामः फरीदाबाद में 2900 किलो विस्फोटक बरामद, उठाने के लिए मंगवाना पड़ा ट्रक

फरीदाबाद : भारत को दहलाने की साजिश को नाकाम किया गया। दरअसल, हरियाणा के फरीदाबाद जिले में जम्मू कश्मीर और हरियाणा पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में पहले 360 किलो विस्फोटक बरामद किया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बड़ी तो पुलिस ने फतेहपुर तगा से 50 बैग बरामद किए, जिसके बाद फरीदाबाद में अबतक कुल 2900 किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद किया गया है। ये विस्फोटक का जखीरा इतना बड़ा है कि सुरक्षा एजेंसियों को इसे भरने के लिए ट्रक मंगवाना पड़ा है। सुबह से इस इलाके मे फरीदाबाद पुलिस और जम्मू कश्मीर पुलिस की रेड चल रही है। फरीदाबाद में इससे पहले धौज इलाके में 360 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ मिला था। इस मामले में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की पुलिस 2 डॉक्टरों आदिल अहमद राठर और मुजम्मिल शकील को गिरफ्तार कर चुकी है। मुजम्मिल ने ही धौज और फतेहपुर तगा गांव में ये कमरा किराये पर ले रखा था। डॉक्टर मुजामिल ने यह मकान एक मौलाना से किराए पर लिया था। मौलाना को पुलिस ने हिरासत में ले

लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। यह घर धौज से करीब 4 किलोमीटर दूर स्थित है। इस पूरे ऑपरेशन में अब तक पुलिस ने 2 डॉक्टरों समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ में पुलिस ने इनके कब्जे से 2 राइफल और 2 पिस्टल बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बरामद विस्फोटक सामग्री का संबंध दो आतंकी संगठनों से जुड़ा हुआ पाया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था। घटना के बाद हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि क्या इसका कोई लिंक राज्य के अन्य हिस्सों या सीमावर्ती इलाकों से है। बता दें आरोपी डॉक्टर मुजम्मिल फरीदाबाद की अल फलह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था, जबकि आदिल अहमद भी अनंतनाग के एक सरकारी अस्पताल में सीनियर डॉक्टर है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी मुकेश मल्होत्रा ने बताया कि जांच के दौरान 2560 किलो अमोनियम नाइट्रेट जैसी सामग्री मिली है। इससे पहले किराए के दूसरे मकान से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया है। कुल मिलाकर 2900 किलो सामग्री बरामद की गई।

डीजीपी के थार और बुलेट वाले बयान पर दुष्यंत ने कसा तंज, अपनी व खट्टर की फोटो डाल पूछा क्या ये भी ?

हरियाणाः हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने हाल ही में बुलेट व थार चलानों वालों पर बयान दिया था जिससे प्रदेश की राजनीति गरम गई है। अब डीजीपी के बयान पर हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने तंज कसा है।

आप देख सकते हैं कि दुष्यत चौटाला ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर सीएम नायब सैनी को टैग करते हुए पूछा-क्या आपने भी कभी थार या बुलेट चलाई है? दुष्यंत ने अपने और पूर्व सीएम एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की बुलेट चलाते ही फोटो डाली हैं। तीसरी फोटो में कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के नेता तेजस्वी यादव एक ऑफ-रोड स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयुभी) में बैठे दिख रहे हैं।पोस्ट में दुष्यंत ने डीजीपी का बयान लिखा है- "थार और बुलेट से बदमाश चलते हैं।" फोटो के नीचे सवाल लिखा है- "डीजीपी साहब! तो क्या ये भी। बता दें कि एक दिन पहले ही गुरुग्राम में डीजीपी ने बयान दिया था कि थार और बुलेट से सारे बदमाश चलते हैं।

दम घोंट रही बहादुरगढ़ की हवा, वायु गुणवत्ता का स्तर 400 पार

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ की हवा एक बार फिर से जहरीली हो गई है। शहर का एक्यूआई लेवल 400 पार हो गया है। प्रदूषण का यह स्तर बेहद खराब श्रेणी में आता है। सोमवार की सुबह यहां एक्यूआई लेवल 413 दर्ज किया गया। वहीं रविवार के दिन यहां का एक्यूआई लेवल 436 दर्ज किया गया था। धूल, कूड़ा जलाने और धीमी हवाओं के कारण वायु की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सड़कों के गड्ढे भरने और पानी का छिड़काव करने की हिदायतें जारी की है। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण विभाग एचएसवीपी, पीडब्ल्यूडी और नगर परिषद को नोटिस रिमाइंडर भी भेजने जा रहा है। बहादुरगढ़ में लगातार बढ़

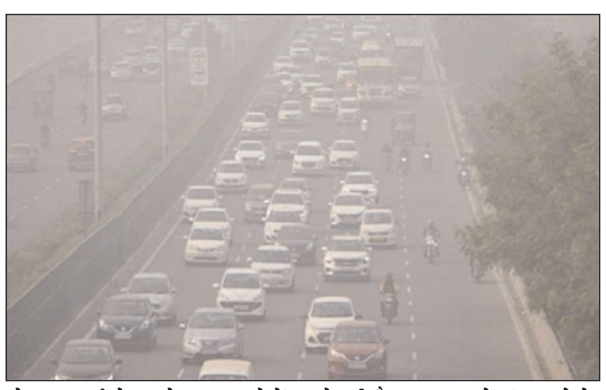

रहे एक्यूआई लेवल के कारण लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वातावरण में पीएम 2.5 और पीएम 10 पार्टिकल्स की मात्रा ज्यादा होने के कारण लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी हो रही है। वातावरण में ठंड बढ़ने के कारण भी यह हवा जहरीले हुई है। इसके साथ ही शहर की कुछ सड़के टूटी पड़ी है। इसके चलते वाहनों के आवागमन पर धूल के कारण वातावरण में उड़ रहे हैं। जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलना पड़ रही है।प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम लगातार प्लास्टिक जलने वाले और अवैध उद्योगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग के रीजनल ऑफिसर शैलेंद्र अरोड़ा का कहना है कि विभाग की ओर से एचएसवीपी, बहादुरगढ़ नगर परिषद और पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़कों पर पानी का छिड़काव बढ़ाने और गड्ढे भरने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके लिए विभाग एक बार फिर से रिमाइंडर नोटिस जारी करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग अवैध फैक्ट्रियों और प्लास्टिक जलाने वाले उद्योगों पर भी शिकंजा कस रहा है।

करनाल के अनीश ने लहराया परचम, वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल

करनाल : हरियाणा के करनाल जिले के निशानेबाज अनीश भानवाला ने मिस्र (Egypt) में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (सिंगल्स) स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस इवेंट में भारत का पहला पदक है। अनीश के इस प्रदर्शन ने न केवल देश का मान बढ़ाया है, बल्कि उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। अनीश के परिजनो ने बताया कि उसका मुकाबला बेहद कड़ा था, लेकिन उन्होंने अपने अनुभव और सटीक निशानेबाजी के दम पर शानदार वापसी करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले भी अनीश एशियन चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश को मेडल दिला चुके हैं।उन्होनें ने बताया कि पेरिस ओलंपिक में किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया था, लेकिन अब उनका लक्ष्य आने वाले टूनामेंट्स में और मजबूत वापसी करना है। अनीश की इस उपलब्धि से उनके परिवार और पूरे करनाल में खुशी की लहर है। उनके माता-पिता, दादी और कोच ने इस जीत को मेहनत और समर्पण का परिणाम बताया है।

पानीपत में टेक्सटाइल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का माल जला, कई घंटे बाद पाया काबू

पानीपत : पानीपत के पसीना गांव स्थित ओम बालाजी टेक्सटाइल फैक्ट्री में रविवार रात करीब पौने 9 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में देखते ही देखते आग इतनी फैल गई की पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की वजह से फैक्ट्री में रखा तैयार कपड़ा, कच्चा और तैयार धागा, रस्सी और मशीनें पूरी तरह से जलकर राख हो गया। जब फैक्ट्री में आग लगी, उस समय सभी कर्मचारी ड्यूटी करके अपने घर जा चुके थे। फैक्ट्री संचालकों ने बताया कि फैक्ट्री से करीब पौने बजे फोन पर आग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग में सूचना दी गई, जिसके बाद 8 दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंची। आग इतनी तेजी से फैली थी कि जब

तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं, तब तक फैक्ट्री का अधिकांश माल जल चुका था। फैक्ट्री संचालक ने बताया कि फैक्ट्री में आग की वजह से करोड़ों रुपये का माल जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही की फैक्ट्री में कर्मचारी नहीं थे, क्योंकि सब कर्मचारी ड्यूटी करके घर जा चुके थे। नहीं तो जानी नुकसान भी हो सकता था।

फैक्ट्री संचालक हरिओम गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पानीपत में कई जगह आग लगने की वजह से हमें दमकल विभाग की गाड़ियां देरी से मिली। इसके वजह से आग ज्यादा फैल गई थी और यही कारण है कि अब तक भी आग पर काबू नहीं पाया गया है। उन्होंने बताया कि आग लगे हुए करीब 13 घंटे का समय बीत चुका है, लेकिन आज पर पूर्ण रूप से अब तक भी काबू नहीं पाया गया है।

पंचकूला के सरकारी स्कूल में धमाका, 3 छात्र झु लसे, 1PGI रेफर

पंचकूला के सेक्टर-12 स्थित एक स्कूल में धमाका हो गया। ये धमाका सार्थक मॉडल स्कूल की केमिस्ट्री लैब में हुआ। इस धमाके में 12वीं क्लास के 3 छात्र अनिशा, तन्वी और आतिश झुलस गए। बताया जा रहा है कि फिनाल और नाइट्रिक एसिड को मिलाते ही ये धमाका हुआ है। धमाके के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया और स्कूल प्रशासन ने तुरंत बच्चों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल सेक्टर 6 पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। हालांकि, छात्र आतिश की हालत देखकर उसके पिता उसे चंडीगढ़ पीजीआई लेकर गए हैं, ताकि आगे का उपचार कराया जा सके। धमाके में तीनों छात्रों के चेहरे

पर रासायनिक छींटे पड़ गए और उन्हें चोटें आईं हैं। धमाके में घायल तन्वी की मां दीपशिखा ने बताया कि केमिस्ट्री लैब में रसायन विज्ञान के शिक्षक सुनील अरोड़ा की मौजूदगी में प्रयोग किया जा रहा था, फिर भी ऐसा हादसा हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। अनिशा की मां ने बताया कि बच्चों ने घर कहा कि यह दुर्घटना उनकी गलती से हुई। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। सभी बच्चे सुरक्षित हैं। दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने इस घटना को एक दुर्घटना बताया है। दुर्घटना में घायल बच्चे सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था, लेकिन रासायनिक प्रतिक्रिया उम्मीद से तेज हो गई। हादसे के बाद स्कूल में सुरक्षा उपायों की दोबारा समीक्षा की जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

राहुल बेचारा भला आदमी, उसे जो लिखकर देते हैं वो पढ़ देता है- नायब सैनी

गुड़गांव, (ब्यूरो): कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे अभियान वोट चोर गद्दी छोड़ को लेकर आज गुड़गांव पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश को गुमराह करने का काम कर रही है। उन्होंने सीधे तौर पर राहुल गांधी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि राहुल गांधी तो बेचारा भला आदमी है। उसे जो लिखकर दे देते हैं वह तो उसे पढ़ देता है। उसे यह समझ नहीं आता कि जो वह बोल रहा है वह कितना सही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि कांग्रेस और राहुल गांधी की मिट्टी पलीत करने में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का हाथ है। नायब सैनी ने कहा कि अगर वोट चोरी करने होते तो भाजपा हरियाणा में 10 सीट पर क्यों हारती। जिन लोगों के मृत होने के बाद वोट कास्ट होने का जिक्र राहुल गांधी कर रहे हैं उन्हें जब मीडिया ने ढूंढ निकाला और इंटरव्यू किया तो उन्होंने कहा कि वह जीवित हैं और

अपना वोट डाल कर आए हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि एक महिला की 216 वोट होने का जिक्र किया वह पूर्व सरपंच निकली और अगर महिला के 216 वोट होते तो वह सरपंची का चुनाव ही नहीं हारती। 10 सीटें हारने में औसत 2000 वोट का फर्क था। वोट चोरी होते तो सभी सीटों पर भाजपा विजयी होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता जान चुकी है कि कांग्रेस ने आज तक किसी का भला नहीं किया। सत्ता में आने के बाद न तो देश के लिए कुछ किया और न ही जनता के लिए कुछ किया। अगर किया है तो सब कुछ अपने भले के लिए किया है। यही कारण है कि जनता ने कांग्रेस का नकार दिया है और इसी के कारण कांग्रेस और राहुल गांधी अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव को लेकर कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बन रही है। राहुल गांधी को न तो आधे कुछ दिखाई दे रहा है और न ही वहां कुछ करने के लिए है।

यही कारण है कि वह 140 करोड़ जनता के विश्वास और देश के संविधान का मजाक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी की उम्र हो गई है। उम्र केवल राहुल गांधी की नहीं बल्कि कांग्रेस के कुछ अन्य लोगों की भी हो गई है जिसके कारण वह अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

खबर एक्सप्रेस

खिलाड़ियों के लिए चैंपियनशिप बनीं मु सीबत, बॉक्सिंग संघ की चेतावनी- जो खेलेगा, निलंबित होगा

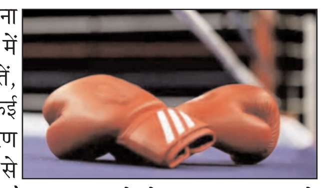

हरियाणा : सभी मुक्केबाजों का सपना होता है कि वह तिरंगे के साथ रिंग में उतरकर देश के लिए पदक जीतें, लेकिन इन दिनों यह सपना कई खिलाड़ियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। दरअसल, 2 दिसंबर से दुबई में प्रस्तावित विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस आयोजन की मान्यता को लेकर खेल जगत में मतभेद जारी हैं। हरियाणा मुक्केबाजी संघ के सचिव ओमबीर हुड्डा ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता के संबंध में एडवाइजरी जारी कर दी गई है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि यह गैर-मान्यता प्राप्त आयोजन है और इसमें भाग लेने से खिलाड़ियों के करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वहीं, दूसरी ओर भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (IABF) ने इसी प्रतियोगिता से संबंधित एक मुकाबला अयोध्या में आयोजित किया। कोच राजीव गोदारा का कहना है कि उनका उद्देश्य खिलाड़ियों को अवसर देना है, इसलिए उन्हें खेलने से रोकना उचित नहीं है।

इस माह होगा हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र, विधानसभा स्पीकर ने किया ऐलान

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर महीने में आयोजित किया जाएगा। सत्र की तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी। विधानसभा सत्र के दौरान सर्वश्रेष्ठ विधायक और सर्वश्रेष्ठ अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा। विधानसभा स्पीकर ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ विधायक चुनने के लिए नियमों में संशोधन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि विधानसभा की नई बिल्डिंग के लिए कार्रवाई जारी है। इसके लिए सरकार के पास कुछ विकल्प (ऑप्शन) हैं, जिन पर काम किया जा रहा है। स्पीकर ने कहा कि विधानसभा में अधिकारी से लेकर चपरासी तक सभी को प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के नियमों में संशोधन की प्रक्रिया चल रही है और इसके लिए सेवानिवृत्त कानून विशेषज्ञ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पर पिछले चार महीने से कार्य जारी है।

खुली पोल पिंकी की : गुरुग्राम की वोटर लिस्ट में 27 जगह दर्ज

चंडीगढ़ : गुरुग्राम की चर्चित पिंकी का नया खुलासा सामने आया है। आरटीआई एक्टिविस्ट ओम प्रकाश और हरिंदर ढींगरा ने प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र-77 की वोटर लिस्ट में पिंकी नाम की एक ही व्यक्ति के नाम से 27 जगहों पर एंट्री दर्ज है। गत दिवस कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पिंकी की तुलना एक ब्राजीलियन मॉडल से करते हुए टिप्पणी की थी, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया था। आरटीआई एक्टिविस्टों ने बताया कि जांच के दौरान उन्होंने इन नामों से जुड़े दस्तावेज एकत्र किए, जिनमें चार नाम विशेष रूप से सामने आए – पिंकी वाइफ ऑफ फूल सिंह। पिंकी वाइफ ऑफ राम मेहर। पिंकी वाइफ ऑफ शिव कुमार। पिंकी डॉटर ऑफ संतोष कुमार।चौंकाने वाली बात यह है कि इन चारों नामों के साथ दसवीं कक्षा का एक ही प्रमाणपत्र लगाया गया है, जो जांच में फर्जी पाया गया। इतना ही नहीं, इन सभी फॉर्म-6 पर एक जैसी लिखावट (हैंडराइटिंग) पाई गई है, और इन्हें स्वीकृति देने वाले अधिकारी की हस्तलिपि भी समान है। एक्टिविस्टों के अनुसार, किसी भी फॉर्म-6 को क्षेत्र के बीएलओ (Booth Level Officer) द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अब सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी गड़बड़ी के बावजूद प्रशासन की निगाह इस पर क्यों नहीं पड़ी – और क्या इन फर्जी प्रविष्टियों के जरिए किसी राजनीतिक लाभ की साज़िश रची गई थी?

अब घर बैठे मिलेंगे फलदार पौधे, पहले फेस शामिल हु ए इतने गांव

चंडीगढ़ : हरियाणा उद्यान विभाग ने ग्रामीण इलाकों में घटते फलदार और छायादार पेड़ों की संख्या बढ़ाने के लिए एक नई पहल की है। विभाग ने हर घर फल -हर घर छांव योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत अब ग्रामीणों को घर बैठे पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक जिले से 5-5 गांवों को शामिल किया गया है, यानी कुल 110 गांवों में इस योजना को लागू किया जाएगा। उद्यान विभाग के महानिदेशक रणबीर सिंह ने बताया कि सरकार का उद्देश्य लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना और पोषणयुक्त वातावरण बनाना है। इन चयनित गांवों के निवासी विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने वालों को पंचायत के माध्यम से 5 फलदार या छायादार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्रामीण अपने खाली प्लॉट, मकान, खेत या पशुओं के बाड़ों में ये पौधे लगा सकेंगे। विभाग ने उम्मीद जताई है कि इस योजना से गांवों में हरियाली और पर्यावरण बेहतर होगा।

फतेहाबाद में पु लिस की बड़ी कार्रवाईः पौने 3 करोड़ की हेरोइन बरामद, पंजाब का तस्कर अरेस्ट

फतेहाबादः फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। सोहना की CIA टीम ने कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 566 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब पौने तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, इस गिरफ्तारी से नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पदार्फाश होने की संभावना है। DSP उमेद सिंह के निर्देशन में CIA अशोक कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आकावाली क्षेत्र में करोड़ों रुपये की हेरोइन लेकर एक तस्कर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर दी। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रुकने का इशारा किया गया। चेकिंग के दौरान कार से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई। इसके बाद आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। हरियाणा और पंजाब में सप्लाई करने आया था आरोपीगिरफ्तार आरोपी की पहचान परमजीत सिंह उर्फ पम्मा उर्फ पवन कुमार, निवासी फरीदकोट (पंजाब) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह हरियाणा और पंजाब के कई जिलों में हेरोइन की सप्लाई करने आया था। पुलिस अब आरोपी को अदालत में पेश करेगी और रिमांड लेकर उससे पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की जानकारी जुटाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान की उपराष्ट्रपति ने पहली बार यूरोपीय संघ की संसद में दिया भाषण, चीन ने दे डाली चेतावनी

ब्रसेल्स , एजेंसी। ताइवान की उपराष्ट्रपति सियाओ बी खिम ने यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित किया। यह ताइवान सरकार के किसी भी शीर्ष नेता का किसी विदेशी संसद में दिया गया पहला भाषण है। यही वजह है कि चीन की सरकार ने इसके प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीन ने चेतावनी देते हुए यूरोपीय संघ से एक चीन की नीति का पालन करने को कहा है। गौरतलब है कि चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। यूरोपीय संघ भी एक चीन सिद्धांत का समर्थक रहा है, लेकिन अब ताइवान की उपराष्ट्रपति का यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित करना एक बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी एयरलाइनों ने फिर 1000 से ज्यादा उड़ानें की रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयरलाइनों ने शनिवार को फिर 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। यह सरकारी बंद के कारण हवाई यातायात कम करने के संघीय उड्डयन प्रशासन के आदेश का दूसरा दिन था। अब तक देश के कई व्यस्ततम हवाई अड्डों पर मंदी के कारण व्यापक व्यवधान नहीं हुआ है। लेकिन इसने देश के सबसे लंबे संघीय बंद के प्रभाव को और गहरा कर दिया है। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ़्लाइटअवेयर के अनुसार, एफएए की मंदी के पहले दो दिनों में 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं। शनिवार, जो आमतौर पर धीमी यात्रा का दिन होता है। उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहा दोपहर तक 120 आने और जाने वाली उड़ानें रद्द हो गई। अटलांटा, शिकागो, डलास, डेनवर और ऑरलैंडो, फ़्लोरिडा के हवाई अड्डे सबसे ज्यादा बाधित रहे। चार्लोट और न्यू जर्सी के नेवार्क में कर्मचारियों की कमी के कारण भी यातायात धीमा रहा।

इंडोनेशियाई पुलिस ने मस्जिद हमले के संदिग्ध और नफरती समूहों के बीच संबंधों की जांच की तेज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई पुलिस ने एक हाई स्कूल में मस्जिद पर हमले के 17 वर्षीय संदिग्ध के घर से विस्फोटक पाउडर और लेख जब्त किए हैं। इस हमले में कई छात्र घायल हुए। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुलिस उसके घृणा फैलाने वाले समूहों से संभावित संबंधों की जांच कर रही है। राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख लिस्टियो सिगिट ने पीड़ितों से मिलने के बाद बताया कि संदिग्ध जकार्ता में शुक्रवार को हुए विस्फोट में घायल हुए 54 लोगों में शामिल था और अभी भी अस्पताल में भर्ती है। संदिग्ध उन दो छात्रों में से एक था, जिनकी विस्फोटों में लगी चोटों की सर्जरी हो रही थी। सिगित ने कहा, 卐संदिग्ध की हालत में सुधार हुआ है, और उम्मीद है कि उसके ठीक होने के बाद उससे पूछताछ करना हमारे लिए आसान हो जाएगा।卐 उन्होंने आगे कहा कि पुलिस के पास अभी केवल एक ही संदिग्ध है।

स्वीडन में रूसी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के विला पर ड्रोन से पेंट और अज्ञात चिपचिपा पदार्थ गिराया

स्टॉकहोम , एजेंसी। पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के स्टॉकहोम के बाहर एक द्वीप पर स्थित रूसी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के विला के ऊपर से एक ड्रोन उड़ा और उड़ने से पहले इमारत पर पेंट और एक अज्ञात चिपचिपा पदार्थ गिरा दिया। स्टॉकहोम क्षेत्रीय पुलिस की प्रेस सचिव ओला ओस्टरलिंग के अनुसार, किसी को चोट नहीं आई और विला को खाली नहीं कराया गया। ओस्टरलिंग ने बताया कि व्यापार प्रतिनिधिमंडल के कर्मचारियों ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 5 :30 बजे ड्रोन को देखा और उससे पेंट और एक अज्ञात पदार्थ से भरा एक कंटेनर गिराया। इसके बाद उन्होंने स्टॉकहोम क्षेत्रीय पुलिस को फोन किया। ओस्टरलिंग ने बताया कि जांचकर्ताओं ने विश्लेषण के लिए पदार्थ के नमूने लिए और तोड़फोड़ व उत्पीड़न का मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने ड्रोन नहीं देखा, लेकिन इसे देखने वाले कर्मचारियों से पूछताछ की। यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना के पीछे कौन था।

यूएई : फहद अल गर्गावी विदेश व्यापार मंत्रालय के अवर सचिव नियुक्त

दुबई , एजेंसी। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने फहद अल गर्गावी को विदेश व्यापार मंत्रालय का अवर सचिव नियुक्त करते हुए एक संघीय आदेश जारी किया है। फहद अल गर्गावी ने मोहम्मद बिन राशिद सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और कई नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है। उन्होंने दुबई निवेश विकास एजेंसी (दुबई एफडीआई) के सीईओ, दुबई विदेशी निवेश कार्यालय (डीएफआई) के सीईओ और दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में व्यापार एवं उद्योग विकास विभाग के सीईओ का पद संभाला है।

अमेरिका के एतिहासिक दौरे पर पहुंचे अहमद अल शरा, 1946 के बाद किसी सीरियाई राष्ट्रपति का पहला यूएस दौरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। यह दौरा बेहद ऐतिहासिक है क्योंकि साल 1946 के बाद पहली बार कोई सीरियाई राष्ट्रपति अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर वॉशिंगटन पहुंचे हैं। सीरियाई राष्ट्रपति का अमेरिका दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका ने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा का नाम आतंकवादी सूची से एक दिन पहले ही हटाया है।

सोमवार को होगी ट्रंप से मुलाकात : सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा वॉशिंगटन में सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इससे पहले जब मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब का दौरा किया था, उस वक्त सऊदी अरब के रियाद शहर में भी ट्रंप की अहमद अल शरा से मुलाकात हुई थी। सीरिया में अमेरिका के राजदूत टॉम बराक ने उम्मीद जताई कि अहमद अल शरा के इस अमेरिका दौरे पर सीरिया की सरकार, आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है।

शरा का नाम आतंकवादी सूची से हटा : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका, सीरियाई राजधानी दमिश्क के पास एक सैन्य अड्डा बनाने की योजना बना रहा है। इस सैन्य अड्डे का मकसद मानवीय सहायता के काम में समन्वय बताया जा रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने पुष्टि की है कि अहमद अल शरा को आतंकवादी सूची से हटा दिया गया है क्योंकि शरा ने सीरिया में लापता अमेरिकियों का पता लगाने और बचे हुए रसायनिक हथियारों को खत्म करने की सहमति दी है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी अहमद अल शरा पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया था, जिसके बाद शरा ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले भी शरा पहले सीरियाई राष्ट्रपति हैं।

आतंकी संगठन अल कायदा से रहा है जुड़ाव : अहमद अल शरा के पूर्व के संगठन हयात तहरीर अल-शाम (॥ञ्ञस्) का खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़ाव था। यही वजह थी कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शरा का नाम आतंकवादी सूची में डाला हुआ था। हालांकि बाद में शरा सक्रिय राजनीति में उतरे और बीते साल बशर अल असद के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। सत्ता संभालने के बाद से, शरा और सीरिया के नए नेतृत्व ने खुद को अपने उग्रवादी अतीत से दूर कर सीरियाई लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक अधिक उदार छवि पेश करने की कोशिश की है।

बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था दुरुस्त करे सरकारः एनसीपी : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले वर्ष फरवरी में चुनाव होने हैं लेकिन कानून व्यवस्था की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। नए राजनीतिक दल, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के एक शीर्ष नेता ने अंतरिम सरकार से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। पार्टी के संयुक्त संयोजक खालिद सैफुल्लाह ने कहा, एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सरकार का कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बहुत गंभीर होना जरूरी है।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान में तेजी लाएगी नाइजीरियाई सेना : अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के नए सेना अध्यक्ष ने देश के उत्तरी हिस्से में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में तेजी लाने का वादा किया है। यह वादा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद किया गया, जिसमें एक नंवबर को उन्होंने कहा था कि अगर नाइजीरिया ने देश में ईसाइयों पर हमले नहीं रोके तो अमेरिकी सेना को इसमें शामिल होना पड़ेगा। सेना अध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल वैदी शाइबू नेसैनिकों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह नया अभियान सफल होना ही चाहिए।

ताइवान के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा दे ईयू : ह्सियाओ : ताइपे, एजेंसी। ताइवान की उपराष्ट्रपति बी-खिम ह्सियाओ ने यूरोपीय संघ (ईयू) से स्वायत्त द्वीप राष्ट्र के साथ सुरक्षा और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने व चीन से बढ़ते खतरों के मद्देनजर इसके लोकतंत्र का समर्थन करने का आग्रह किया है। ब्रसेल्स में शुक्रवार को विभिन्न देशों के सांसदों के एक समूह को संबोधित करते हुए ह्सियाओ ने कहा, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति वैश्विक स्थिरता और आर्थिक निरंतरता के लिए आवश्यक है।

पुर्तगाल में मजदूरों का प्रदर्शनः नई श्रम नीतियों के खिलाफ सड़कों पर हजारों लोग, 11 दिसंबर को हड़ताल का एलान

लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की सड़कों पर शनिवार को हजारों लोग उतर आए। ये सभी केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार की नई श्रम सुधार नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यह विरोध देश के प्रमुख मजदूर संघ द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने सरकार से इन प्रस्तावित सुधारों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि ये नीतियां कामगारों के अधिकारों को कमजोर करेंगी और उनके रोजगार को असुरक्षित बनाएंगी।

न्यूनतम वेतन समेत कई मांग : सरकार के प्रस्तावित कानूनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया आसान करने की बात कही गई है। वहीं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए लचीले कार्य समय की अवधि घटाने और गर्भपात के बाद शोक अवकाश कम करने जैसे प्रावधानों को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। इस समय पुर्तगाल में न्यूनतम वेतन 870 यूरो (लगभग ?90,000 प्रति माह) है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इसे 2026 तक बढ़ाकर 1,050 यूरो (लगभग ?1.08 लाख) किया जाए।

11 दिसंबर को पूरे देश में आम हड़ताल की चेतावनी : प्रधानमंत्री लुईस मोंटेनेग्रो की अगुवाई वाली डेमोक्रेटिक अलायंस सरकार का कहना है कि ये सुधार देश की उत्पादकता और रोजगार बाजार की लचीलापन बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

हालांकि, विरोधियों का कहना है कि ये सुधार सिर्फ कंपनियों को फायदा पहुंचाएंगे और कामगारों की सुरक्षा को कम करेंगे। प्रदर्शन आयोजकों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने ये प्रस्ताव नहीं हटाए, तो 11 दिसंबर को पूरे देश में आम हड़ताल की जाएगी।

गाजा में मरने वालों का आंकड़ा 69 हजार के पार

गाजा , एजेंसी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस्राइल-हमास युद्ध में अब तक 69 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। ये आंकड़े ऐसे समय जारी किए गए, जब इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम की शर्तों के तहत शवों का आदान-प्रदान हुआ। इनमें इस्राइल के हमलों में मारे गए फलस्तीनियों के शव और हमास की कैद में मारे गए इस्राइली बंधकों के शव शामिल हैं। इस्राइल ने शनिवार को 15 और फिलिस्तीनियों के शव गाजा को लौटा दिए, जबकि एक दिन पहले ही हमास ने एक इस्राइली बंधक के शव को इस्राइल को लौटाया था। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, शव की पहचान लियोर रुडाएफ के रूप में हुई है। यह आदान-प्रदान संघर्ष विराम के शुरुआती चरण का मुख्य हिस्सा है, जिसके तहत हमास को सभी बंधकों के शव जल्द से जल्द लौटाने होंगे।

रूस का केए-226 हेलिकॉप्टर जमीन से टकराया, 5 लोगों की मौत : मास्को, एजेंसी। रूस के दागेस्तान राज्य में 7 नवंबर को एक रूसी केए-226 हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर नियंत्रण से बाहर होने के कारण जमीन से टकरा गया। मरने वालों में एक ही इलेक्ट्रो मैकेनिकल प्लांट के 4 कर्मचारी शामिल हैं। कंपनी ने 8 नवंबर को यह जानकारी दी। हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है। हेलिकॉप्टर दागेस्तान के अची-सू गांव के पास कैस्पियन सागर क्षेत्र में गिरा।

रूसी सरकारी मीडिया ने पहले बताया था कि यह हेलिकॉप्टर पर्यटकों को ले जा रहा था। केईएमजेड एक रक्षा कंपनी है जो हवाई उपकरण बनाती है। मरने वालों में प्लांट के डिप्टी जनरल डायरेक्टर भी शामिल हैं। हेलिकॉप्टर का फ्लाइट मैकेनिक भी मारा गया। वहीं, दो लोग घायल हुए हैं। केईएमजेड पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हैं क्योंकि यह यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में शामिल है। केए-226 एक ट्विन-इंजन हेलिकॉप्टर है जो 7 यात्रियों को ले जा सकता है।

फिलीपींस में फंग-वोंग तूफान, 50 हजार परिवार सुरक्षित जगह भेजे गए; सरकार ने किया आपातकाल घोषित

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस हाल के दिनों प्रकृति के दोहरे प्रकोप से जूझ रहा है। हाल ही में आए टाइफून कल्मेगी में 200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद अब देश पर सुपर टाइफून फंग-वोंग का खतरा मंडरा रहा है। यह इस साल का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है, जो रविवार को देश के उत्तर-पूर्वी तटों से टकराने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक, फंग-वोंग की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा तक है, जबकि हवा के झोंके 230 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रहे हैं। इसका प्रभाव 1,600 किलोमीटर के दायरे में फैल सकता है यानी यह दक्षिण-पूर्व एशिया के दो-तिहाई हिस्से को प्रभावित कर सकता है।

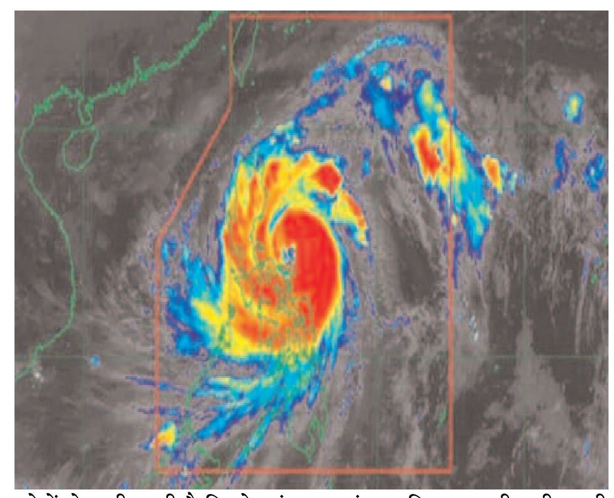

देशव्यापी आपात स्थिति घोषित : सरकार ने देशव्यापी आपात स्थिति घोषित कर दी है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने लोगों से अपील की है कि वे तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टियोडोरो जूनियर ने चेतावनी दी कि यह तूफान देश के कई हिस्सों में तबाही मचा सकता है, जिसमें सेबू, औरोरा, इसाबेला और यहां तक कि राजधानी मनीला भी शामिल है। उन्होंने कहा जब बारिश शुरू हो जाएगी या तूफान पूरी तरह आ जाएगा, तब लोगों को बचाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसलिए अभी निकलना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। अब तक लगभग 50,000 परिवारों को बिकोल क्षेत्र से निकाला गया है, जहां समुद्र किनारे और ज्वालामुखी मायोन के पास भूस्खलन और मडफ्लो का खतरा बना हुआ है। 6,600 यात्री और कर्मचारी बंदरगाहों पर फंसे इस बीच, कई इलाकों में बिजली कटौती, स्कूलों और सरकारी दफ्तरों की बंदी और उड़ानों की रद्दीकरण जैसी आपात स्थितियां घोषित की गई हैं। लगभग 6,600 यात्री और कर्मचारी बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं क्योंकि कोस्ट गार्ड ने समुद्र में किसी भी जहाज के जाने पर रोक लगा दी है। फिलीपींस हर साल करीब 20 तूफानों की चपेट में आता है, साथ ही यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट भी होते रहते हैं। यह दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक माना जाता है।

ब्राजील में तेज हवाओं और भारी बारिश से तबाही-ःइमारतें ढही, सड़कें टूटी, 6 मौतें

ब्रासीलिया/ मनीला, एजेंसी। ब्राजील के दक्षिणी राज्य पराना में शुक्रवार देर रात तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। राज्य सरकार के अनुसार, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा नुकसान रियो बोनिटो डो इगुआकू शहर में हुआ। यहां आधे से अधिक घरों की छतें उड़ गईं, कई इमारतें ढह गईं, सड़कें बंद हो गईं और बिजली की लाइनें टूट गईं। इस हादसे में अब तक 437 लोग घायल हुए हैं। वहीं, लगभग 1000 लोग बेघर हो गए। मौसम विभाग के अनुसार हवा की गति 180 से 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक थी। दूसरी ओर फिलीपींस में रविवार को फंग-वोंग सुपर टाइफून के कारण भारी बारिश, तेज हवाएं चलीं। इसके चलते फिलीपींस के पूर्वी और उत्तरी इलाकों से 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। यहां ऊंची समुद्री लहरों के लिए चेतावनी जारी कर दी गई है।

फिलीपींस में तूफान से 300 उड़ानें रद्द : फिलीपींस के बड़े हिस्से में चेतावनी जारी कर दी गई हैं। जिनमें सिग्नल संख्या 5 (सबसे ऊंची चेतावनी है) दक्षिण-पूर्वी लूजोन में जारी की गई है। इसमें कैटनडुआनस और कैमरिन्स नॉर्टे और कैमरिन्स सुर के तटीय क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, मेट्रो मनीला और आसपास के क्षेत्र सिग्नल संख्या 3 के अंदर हैं। तूफान की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा से 230 किमी प्रति घंटा है।

यह रात तक मध्य लुजोन के औरोरा प्रांत में दस्तक दे सकता है। यहां भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्री लहरों का खतरा है। कई इलाकों में बिजली गुल हो चुकी है। 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कुछ दिन पहले ही टाइफून कलमेगी ने फिलीपींस में 204 लोगों की जान ली थी और वियतनाम में 5 की मौत हुई थी। वहां मछली पकड़ने की नावें और कई लॉब्स्टर फार्म तबाह हो गए।

लापरवाही ने ले ली कई जानें: पुलिस से बचने को भगाई कार, बार में घुसकर भीड़ को रौंदा; चार की मौत, 11 घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक युवक ने पुलिस से बचने के लिए कार दौड़ाई, लेकिन तेज गति के चलते वह कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार बार में घुस गई। कार ने बार में बैठे लोगों को रौंद दिया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस से बचने के लिए भगाई कार, जिससे हादसा हुआ : घटना फ्लोरिडा के टेम्पा शहर की है। यह शहर अपनी नाइट लाइफ और पर्यटन के लिए मशहूर है। टेम्पा पुलिस ने बताया कि पुलिस की एक पेट्रोल यूनिट ने देर रात करीब 12.40 बजे एक सेडान कार को खतरनाक तरीके से ड्राइविंग के लिए रोकने की कोशिश की, लेकिन कार सवार ने पुलिस को देखकर स्पीड और बढ़ा दी और वहां से भागने की कोशिश की। जब पुलिस ने कार का पीछा किया तो एक जगह कार सवार गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार अनियंत्रित होकर एक भीड़भाड़ वाले बार में घुस गई। कार की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज : पुलिस ने बताया कि संदिग्ध की पहचान 22 साल के सिलास सिंपसन के रूप में हुई है। आरोपी कार ड्राइवर घटना से पहले एक अन्य जगह स्ट्रीट रेसिंग करते हुए देखा गया था। जब दोबारा पुलिस ने उसे खतरनाक तरीके से कार चलाते देखा तो उसका पीछा किया। इसी हड़बड़ी में आरोपी कार पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हिल्सबोरो काउंटी जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाकर जान लेने, पुलिस से बचकर भागने और चकमा देने के आरोप लगाए गए हैं।

एक कमरे के किराए के घर से बंगले में शिफ्ट होंगे ममदानी ! मेयर बनते ही जीवन में आया बड़ा बदलाव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी अपनी पत्नी रामा दुवाजी के साथ एक कमरे के किराए के मकान में रहते हैं। इस मकान की स्थिति ऐसी है कि उसमें लीकेज के चलते कई बार पानी भर जाता है, लेकिन अब मेयर चुनाव में जीत के साथ ही ममदानी की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है और अब वे किराए के मकान से एक शानदार बंगले में शिफ्ट हो सकते हैं। यह शानदार बंगला न्यूयॉर्क मेयर का आधिकारिक आवास है, जो अपनी लग्जरी, शानदार वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

मेयर के बंगले में शिफ्ट होने पर क्या बोले ममदानी : न्यूयॉर्क रेडियो के साथ बातचीत में ममदानी ने संकेत दिए थे कि अब उन्हें एक कमरे का मकान छोटा पड़ता है। हालांकि अभी तक ममदानी ने तय नहीं किया है कि वे मेयर के बंगले में शिफ्ट करेंगे या नहीं। न्यूयॉर्क मेयर का आधिकारिक आवास जिसे ग्रेसी मेंशन के नाम से जाना जाता है, वह 11 हजार वर्ग फुट में फैला है, जिनमें खूबसूरत झूमर, शानदार दरवाजे और एक बड़ा सा बगीचा है, जिसमें सेब के पड़े लगे हैं। साथ ही सब्जियां उगाने के लिए भी एक अलग बगीचा है। एक हालिया इंटरव्यू में ममदानी ने कहा कि मुझे अभी नहीं पता कि मैं कहां रहूंगा, लेकिन मुझे इतना पता है कि मैं सिटी हॉल से काम करूंगा।

हालिया घोषित मेयर चुनाव में जीते ममदानी : हाल ही में घोषित हुए न्यूयॉर्क मेयर के चुनाव नतीजों में 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने शानदार जीत दर्ज की। जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और पहले भारतीय अमेरिकी मेयर हैं। जोहरान का जन्म युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। जोहरान की मां मीरा नायर एक मशहूर फिल्म निर्माता हैं, जिन्होंने मानसून वेडिंग, द नेमसेक और मिसिसिपी मसाला जैसी

अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का निर्देशन किया है। उनके पिता महमूद ममदानी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मानव विज्ञान के प्रोफेसर हैं। राजनीति में जोहरान का असली आगाज 2020 में हुआ, जब वो न्यूयॉर्क विधानसभा के लिए चुने गए। क्वींस के एस्टोरिया इलाके से विधायक बनने के बाद उन्होंने बसों में मुफ्त सफर करने की योजना लागू करवाई और इस्राइल की बस्तियों को समर्थन देने वाले संगठनों पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी रखा। यहीं से ममदानी की लोकप्रियता बढ़ती गई। 33 वर्षीय जोहरान का चुनावी एजेंडा प्रगतिशील और वामपंथी है। वह अमीरों पर टैक्स बढ़ाने, सरकारी स्तर पर किराना स्टोर खोलने और प्रवासियों के अधिकारों के लिए लड़ने का वादा कर रहे हैं। हालांकि, इससे कारोबारी वर्ग और रियल एस्टेट लॉबी नाराज है।

तंजानिया : प्रदर्शनों पर विपक्षियों नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में पिछले महीने विवादित मतदान केंद्रों के आसपास हुए हिंसक प्रदर्शनों को लेकर विपक्षी नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। इनमें चाडेमा की संचार निदेशक ब्रेंडा रुपिया और महासचिव जॉन मन्यिका भी शामिल हैं। इनके अलावा, सैकड़ों लोगों पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। इस कार्रवाई से पूर्वी अफ्रीकी देश में राजनीतिक तनाव में और बढ़ गया है। चाडेमा, तंजानिया की प्रमुख विपक्षी पार्टी है। इसके नेता टुंडू लिस्सु को कई महीनों की जेल हुई है। उन पर कभी देशद्रोह के आरोप हैं।

'हम अभी उस स्थिति में नहीं हैं' : आगामी टी20 विश्व कप पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के मामले में अभी उस स्थिति में नहीं है जहां वह पहुंचना चाहती है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए टीम के पास अभी पर्याप्त समय है।

गंभीर ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से बातचीत में फिटनेस के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस को अगले स्तर पर ले जाने की ज़रूरत है क्योंकि खिताब बचाने की तैयारी भारत घरेलू मैदान पर कर रहा है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा ड्रेसिंग रूम है जहां बहुत अधिक पारदर्शिता और ईमानदारी है। हम चाहते हैं कि यह ड्रेसिंग रूम आगे भी ऐसा ही बना रहे।'

उन्होंने कहा, 'फिटनेस के नजरिए से मुझे लगता है कि टी20 विश्व कप से पहले हम अभी उस मुकाम पर नहीं पहुंचे हैं जहां पहुंचना चाहते हैं। यही बात हमने खिलाड़ियों से भी की है। हम पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहना चाहते हैं। हम फिट रहना चाहते हैं। हम तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। भारतीय कोच ने कहा, 'हम जितने ज्यादा फिट होंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। क्योंकि दबाव वाले मैच और दबाव वाली स्थिति में आप जितने ज्यादा शारीरिक रूप से मजबूत होंगे, मानसिक रूप से भी उतने ही मजबूत होंगे। हमारे पास अभी भी तीन महीने हैं।'

टी20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन है। गंभीर ने हाल ही में भारत के एशिया कप के विजयी अभियान के दौरान पावरप्ले में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर कराने के पीछे के तर्क पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग इस टी20 टीम को एक बेहद आक्रामक बल्लेबाजी क्रम के रूप में देखते हैं। मेरे हिसाब से, पहले छह ओवरों में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर गेंदबाजी कराना और भी आक्रामक विकल्प था। हम ऐसी टीम नहीं बनना चाहते जिसकी पहचान सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी क्रम हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो कुल मिलाकर एक आक्रामक टीम के रूप में जानी जाए।'

उन्होंने कहा, 'हम इस विकल्प को आजमा कर परखना चाहते थे कि इससे हमें भविष्य में क्या परिणाम मिल सकते हैं। मुझे लगता है कि एशिया कप में यह हमारे लिए वाकई अच्छा रहा है क्योंकि पावरप्ले में शुरुआती तीन ओवर में उनकी शानदार गेंदबाजी से हम मैच में दबदबा बनाने में कामयाब रहे।' गंभीर ने कहा, 'हमारे पास वरुण (चक्रवर्ती) और कुलदीप (यादव) के रूप में बीच के ओवरों में विकेट लेने वाले दो अच्छे विकल्प है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही आक्रामक कदम था।'

गंभीर ने कोच बनने के बाद से भारत आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करना पसंद करता रहा है। मुख्य कोच ने कहा कि यह भी जरूरी है कि टीम के पास सात से आठ गेंदबाजी विकल्प हों और यह तभी संभव है जब शिवम दुबे, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंडरों को एकादश में शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा, 'टीम में जितने ज्यादा हरफनमौला होंगे, उतना ही अच्छा होगा। यह एक ऐसी चीज है जो महत्वपूर्ण है। कम विकल्पों की तुलना में अधिक विकल्प होना हमेशा बेहतर होता है। इसलिए पहले भी कई बार हमने छह गेंदबाजी विकल्पों के बारे में सोचा है और इस टी20 टीम में हमारे पास सात या आठ गेंदबाजी विकल्प हैं, जो हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

गंभीर ने कहा, 'पिछले कई वर्षों से हम इस बारे में बात करते रहे हैं कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ी कैसे हो सकते हैं जो हमें कुछ ओवर गेंदबाजी कर सकें। वह चाहे टी20 मैच हो या 50 ओवर का मैच। अब हम ऐसे खिलाड़ी तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी और मध्यक्रम या मैच के अलग-अलग चरणों में बल्लेबाजी भी कर सकें। ऐसे में मुझे लगता है कि इस तरह के विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है।''

गंभीर ने इसके साथ ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का अच्छी तरह से अहसास कराने और उन्हें समझने के लिए उनके सामने मुश्किल चुनौतियों को रखने की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के सामने जितना संभव हो सके उतनी कड़ी चुनौती रखते हैं। हमने शुभमन (गिल) के साथ भी यही किया था, जब उन्हें टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था।' गिल ने कप्तान के रूप में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला में शानदार बल्लेबाजी की। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर की। इस श्रृंखला के सभी मैच रोमांचक रहे और प्रत्येक मैच पांचवें दिन तक खिंचा था।

धोनी ने प्रशंसक की मोटरसाइकिल के टैंक पर दिया ऑटोग्राफ, प्रशंसक बोला अब मेरी गाड़ी करोड़ों की हुई

रांची (एजेंसी)। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को संन्यास लिए काफी समय हो गया है पर अभी भी वह प्रशंसकों के दिलों में छाये हुए हैं। हाल ही में एक प्रशंसक की रॉयल एनफील्ड इंटरसेप्टर 650 पर धोनी ने ऑटोग्राफ दे दिया। इससे उत्साहित ये प्रशंसक बोला की अब मेरी तीन लाख की बाइक तीन करोड़ की हो गयी है।

वीडियो में धोनी इस प्रशंसक की लाल रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की प्रशंसा करते हैं। इसके बाद वह पेट्रोल टैंक पर अपने ऑटोग्राफ देते हैं। वहीं जाने से पहले उन्होंने प्रशंसक से कहा, 'चला के रिपोर्ट देना।'

प्रशंसक की मोटरसाइकिल पर धोनी के ऑटोग्राफ वाला वीडियो तत्काल ही हिट हो गया। इसे कई हजारों बार देखा गया। धोनी ने भी इस क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'राइड विद माही?'

धोनी के हस्ताक्षर की कीमत के बारे में बात करते हुए, एक व्यक्ति ने कहा, 'बाइक की कीमत 3 लाख से बढ़कर 30 करोड़ पहुंच गयी है।' धोनी खेल के साथ ही कारों और विशेषकर बाइक्स के खासे शौकीन है। उन्हें आम तौर पर कूल और विंटेज वाहनों की सवारी करते देखा गया है। उनके रांची स्थित घर का गैराज एक से बढ़कर एक वाहनों से भरा पड़ा है।

धोनी अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही बाइक्स का कलेक्शन करते रहे हैं। उनके फार्महाउस में एक गैराज आइकॉनिक बाइक्स से भरा पड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2011 विश्व कप विजेता टीम कप्तान के सुपरबाइक्स के कलेक्शन में कावासाकी निंजा एच2, कॉन्फेडरेट एक्स132 हेलकैट, कावासाकी निंजा जेडएक्स-14आर, हार्ले डेविडसन फैटबॉय, डुकाटी 1098, यामाहा आरडी350, यामाहा राजदूत, सुजुकी शोगुन, यामाहा थंडरकैट, बीएसए गोल्डस्टार, नॉर्टन जुबली 250 और टीवीएस अपाचे आरआर 310 शामिल हैं।

वहीं धोनी को हाल ही में रांची में एक विंटेज रोल्स-रॉयस में घूमते हुए देखा गया था. धोनी खेल से संन्यास के बाद भी आईपीएल खेलते हैं और माना जा रहा है कि वह 2026 सत्र में भी खेलेंगे।

जुरेल को टेस्ट में नंबर तीन पर मिल सकता है अवसर

–दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक लगाकर चर्चाओं में आये

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भारत ए को ओर से जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उससे उन्हें कोच गौतम गंभीर नंबर तीन पर अवसर दे सकते है। भारतीय टीम पिछले काफी समय से तीसरे नंबर पर एक ऐसे बल्लेबाज की तलाश कर रही है जो लंबी पारी खेल सके। इस जगह पर साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ियों को आजमाया गया पर अब तक कोई भी सफल नहीं रहा है। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा के बाद से ही इस नंबर पर भारतीय टीम को कोई भी भरोसेमंद बल्लेबाज नहीं मिला है। अब जिस प्रकार से जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। उससे अंदाजा होता है कि वह बड़ी पारी खेलने में सक्षम हैं। दोनों पारियों में दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों का समझदारी से सामना किया। पहली पारी में जब भारत ए टीम मुश्किल में आई तो जुरेल ने उसे संभाला। उसके बाद दूसरी पारी में भी शानदार शतक लगाया। शुरुआत से ही जुरेल बेहद संयमित नजर आये।

'यहां की खराब एयर क्वालिटी को पचा पाना मुश्किल है', दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन पर चिंता जताई है। रोड्स ने अपने एक्स अकाउंट (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, 'आज शाम रांची जाते समय दिल्ली से गुजर रहा था, और हमेशा की तरह यहां की खराब एयर क्वालिटी को पचा पाना मुश्किल है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं साउथ गोवा के एक छोटे से मछली पकड़ने वाले गांव में रहता हूं।'

क्रिकेट इतिहास के महानतम फील्डरों में से एक माने जाने वाले रोड्स का भारत से गहरा रिश्ता रहा है, जहां वे अब अपने परिवार के साथ गोवा में रहते हैं। उनकी पोस्ट में न सिर्फ उनकी पर्सनल परेशानी बल्कि राजधानी में बिगड़ते पर्यावरण के हालात के बारे में भी चिंता झलकती है जिसमें उन्होंने दिल्ली के घने स्मॉग की तुलना गोवा के साफ-सुथरे, शांत माहौल से की है।

फैंस और फॉलोअर्स ने तुरंत उनकी पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए उनके विचारों से सहमति जताई और दिल्ली के गंभीर एयर क्वालिटी संकट से निपटने के लिए सख्त पर्यावरण नीतियों की मांग की। दूसरों ने रोड्स के शहरी भीड़भाड़ से दूर रहने के फैसले की तारीफ की और मछली पकड़ने वाले गांव में एक सिंपल, प्रकृति-आधारित जीवन शैली को पसंद करने के लिए उनकी सराहना की। दिल्ली की एयर क्वालिटी इस सीजन में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। शहर में स्मॉग की मोटी चादर छाई हुई है और तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर गया है। जैसे-जैसे पॉल्यूशन का लेवल बिगड़ता गया, सोमवार को माता-पिता और बच्चे इंडिया गेट पर इकट्ठा हुए और सरकार से राजधानी के जहरीले हवा के संकट से निपटने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की अपील की। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) के डेटा के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को इस सीजन की सबसे खराब एयर क्वालिटी दर्ज की गई। सुबह 7 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 354 था - जिसे 'बहुत खराब' कैटेगरी में रखा गया है - जिससे शहर 'रेड जोन' में आ गया है। यह रविवार के 390 के स्तर से सिर्फ मामूली सुधार था, जो भी इसी कैटेगरी में आता था।

रणजी मैच में विरोध टीम के खिलाड़ियों से बहस करते दिखे थे वैभव, प्रशंसक बोले, विराट की राह पर चल रहे

नई दिल्ली। 14 साल के उभरते हुए क्रिकेट वैभव सूर्यवंशी अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही आक्रामक व्यवहार के कारण भी विवादों में घिर गये हैं। पटना में हाल ही में हुए रणजी ट्रॉफी 2025–26 के मैच में वैभव अपनी बल्लेबाजी की जगह पर विकेटकीपर से झगड़े के कारण निशाने पर आ गये हैं। ये मैच बिहार और मेघालय के बीच हुआ था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें देखा गया कि वैभव की मेघालय के विकेटकीपर अर्पित भाटेवारा और गेंदबाजों के साथ बहस हो गयी जिस कारण अंपायरों को बीच में आना पड़ा। अंपायरों के हस्तक्षेप और साथी बल्लेबाज के समझाने के बाद ही वैभव वापस क्रीज पर आ गये। वैभव की इस आक्रमकता को देखकर प्रशंसक उनकी तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं, उनका मानना है कि ये बल्लेबाज भी विराट के नक्शेकदम पर है। विराट को भी अपने आक्रामक रवैये के लिए जाना जाता है। वह भी विरोधियों के जवाब उन्हीं के अंदाज में देते हैं। कोहली के निडर और आक्रामक रवैये टीम टीम पर काफी प्रभाव पड़ा है। अब अधिकतर खिलाड़ी आक्रामक अंदाज अपनाते हैं। मेघालय के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने 93 रन बनाये थे। इस मैच में पहले दो दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया था। इस मैच में वैभव ने केवल 33 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था हालांकि वह अपना शतक नहीं पूरा कर पाये।

मोहम्मद शमी की वापसी की संभावना पड़ सकती है मुश्किल, इग्लैंड में खेलने से किया था इनकार

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में 93 ओवर गेंदबाजी कर ली है लेकिन भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक का दोबारा टेस्ट क्रिकेट में खेलना मुश्किल लग रहा है और उनकी वनडे टीम में भी नीली जर्सी पहनने की संभावना कम ही दिख रही है। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था लेकिन

उसके बाद से उन्हें किसी भी प्रारूप की टीम में नहीं चुना गया। वह 2023 में वनडे विश्व कप के बाद एड़ी की चोट के कारण लंबे समय तक खेल से बाहर रहे थे। उन्हें इस चोट से निजात पाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। वर्तमान समय में भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए ऐसी संभावना नहीं लगती है कि शमी तीनों प्रारूपों में अब तक खेले गए 197 अंतरराष्ट्रीय मैचों में और मैच जोड़ पाएंगे। वह टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में पिछड़ गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं। ऐसा लगता है कि उनके लिए अब केवल एक दिवसीय क्रिकेट ही बचा है। अगला वनडे विश्व कप 2027 में होगा और तब तक शमी 37 साल के हो जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम एक उम्र दराज तेज गेंदबाज को की टीम में रखने का जोखिम नहीं उठाएगी क्योंकि शमी का करियर चोटों से जुड़ा रहा है, जिसमें घुटने की समस्या भी शामिल है। शमी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं और उन्होंने खुलकर कहा है कि चयनकर्ताओं ने उनसे कोई बातचीत नहीं की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र हालांकि ऐसा नहीं मानते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने उतरेंगे लक्ष्य सेन

कुमामोटो (जापान) (एजेंसी)। चोट से उबरने के बाद एचएस प्रणॉय एक महीने के अंतराल के बाद मंगलवार से शुरु हो रहे कुमामोटो मास्टर्स जापान 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वहीं लक्ष्य सेन अच्छा प्रदर्शन कर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने मैदान में उतरेंगे।

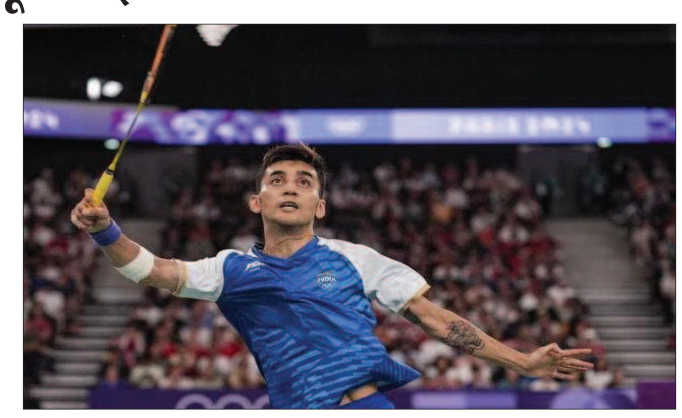

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय आखिरी बार सितंबर में कोरिया ओपन में खेले थे, जहां चोट के कारण मैच से हटने के बाद उन्हें पहले राउंड में ही बाहर होना पड़ा था। 33 साल के प्रणॉय के लिए 2025 का सीजन मुश्किल रहा है। वह अपने 14 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में से किसी में भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए हैं, और इस दौरान उन्हें आठ बार पहले राउंड में ही बाहर होना पड़ा है।

लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स जापान में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे ताकि उन्हें सीज़न के आखिर में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने में मदद मिल सके। लक्ष्य, सीजन के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं। कल से शुरु हो रहे टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहीं प्रणय मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

आयुष शेट्टी इस साल यूएस ओपन जीतकर बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं, वे भी किरण जॉर्ज और तरुण मन्नेपल्ली के साथ जापान में पुरुष एकल ड्रॉ में हैं। इसके आलवा 17 साल की नैशा कौर भटोये महिला एकल में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं और वह क्वालिफायर से शुरुआत करेंगी। रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ही देश की एकमात्र युगल चुनौती पेश करेगी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गादे का मुकाबला अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से होगा।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा, ज्योति सिंह को मिली कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने चिली के सैंटियागो में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप 2025 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। इस टीम की अगुवाई ज्योति सिंह करेंगी, जबकि टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर निभाएंगे।

घोषित टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और 2 वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। खांडेकर ने कहा, 'मैं टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। अनुशासन हमारा मुख्य सिद्धांत है। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में जबरदस्त मेहनत की है और खेल में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है।'

भारत को पूल-सी में रखा गया है और टीम अपना अभियान 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद भारत 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा। पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच होने वाले नॉकआउट चरण में जगह बनाएंगी।

खांडेकर ने कहा, 'टीम पूरी तरह तैयार और उत्साहित है। लड़कियां विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

गोलकीपरः निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज

डिफेंडरः मनीषा, लालथनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी

मिडफील्डरः साक्षी राणा, इशिका, सुनेलिता टोप्पो, ज्योति सिंह, खैदेम शिलेमा चानू, बिनिमा धान

फॉरवर्डः सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो, सुखवीर कौर

वैकल्पिक खिलाड़ीः प्रियंका यादव, पार्वती टोपनो।

अतुलदीप को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ख़िताब

वाराणसी । पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अतुलदीप ने 01 नवम्बर से 08 नवम्बर,2025 तक नई दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में आयोजित 35वें लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। वह भारतीय रेलवे टीम के लिए खेलते हैं, जिसने एयर फ़ोर्स स्पोर्ट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के बाद चैंपियनशिप का खिताब जीता है। 35वें लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट का हाल ही में समापन हुआ, जिसमें एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार और युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी पुरस्कार रू.11,000/– का नकद पुरस्कार गुरुग्राम के श्री राज कुमार यादव द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को एसबीआई, अमूल, कृभको, जिंदल पावर और डालमिया जैसे संगठनों द्वारा प्रायोजित किया गया था । इस प्रतियोगिता में वायु सेना हॉकी टीमों सहित बारह टीमों ने भाग लिया था। मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी आशीष जैन एवं मंडलीय अधिकारियों ने अतुल दीप की इस उपलब्धी के लिए बधाई दी है । उल्लेखनीय ही की अतुल दीप विगत नौ वर्षो से भारतीय रेलवे एवं उत्तर प्रदेश की हाकी टीम में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की तरफ से प्रतिभाग करते हुए लगातार मेडल प्राप्त कर रहे हैं।

बाबर आजम सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज बने

पाक ने तीसरे एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका को हराया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 15000 रन पूरे कर लिए हैं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में ये उपलब्धि हासिल की है। अब वह 15000 रन बनाने वाले पाक के पांचवें बल्लेबाज बने हैं हालांकि उन्होंने यह आंकड़ा 370 पारियों में ही हासिल कर लिया। अब वह सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाक क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले इंजमाम–उल–हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद ने भी ये आंकड़ा हासिल किया था। बाबर से पहले पाक ही अन्य बल्लेबाजों को इतने रनों तक पहुंचने के लिए 400 से 550 पारियां खेलनी पड़ी थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 32 गेंद में 27 रन बनाये। अब तक 329 मैचों में बाबर ने 45.46 की औसत से 15004 रन बनाए हैं, जिसमें 31 शतक और 104 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 196 है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.5 ओवर में ही 143 रन पर आउट हो गयी। पाक की ओर से अबरार अहमद ने 27 रन देकर चार विकेट लिये जबकि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद नवाज और आगा सलमान ने दो–दो विकेट लिए। इसके बाद पाकिस्तान ने 25.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 144 रन बनाकर ये मैच जीत लिया है। वहीं इससे पहले पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फखर जमान को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन बनाये। इसके बाद बाबर 27 रनों पर बदकिस्मती से रन आउट हो गये। ऐसे में मोहम्मद रिजवान ने सैम अयूब के साथ 65 रनों बनकार अपनी टीम को जीत दिलायी। अयूब ने 70 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 77 रन बनाये।

ऋचा घोष के नाम पर बनेगा क्रिकेट स्टेडियम, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की घोषणा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की उभरती सितारा ऋचा घोष को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ऐतिहासिक घोषणा की है। उन्होंने बताया कि दार्जिलिंग में बनने वाले नए क्रिकेट स्टेडियम का नाम 'ऋचा घोष क्रिकेट स्टेडियम' रखा जाएगा। यह सम्मान 22 वर्षीय सिलीगुड़ी की इस खिलाड़ी को उनके शानदार विश्व कप प्रदर्शन की याद में दिया जा रहा है। ऋचा ने 2025 महिला विश्व कप में भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह फैसला न केवल उनकी उपलब्धियों का सम्मान है, बल्कि महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देने का प्रतीक भी बनेगा।

ममता बनर्जी की घोषणा और भावनात्मक संबोधन

कोलकाता में आयोजित एक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऋचा घोष की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, 'ऋचा सिर्फ 22 साल की हैं, लेकिन उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। बंगाल सरकार चाहती है कि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और सफलता से प्रेरणा लें।' ममता ने बताया कि दार्जिलिंग में करीब 27 एकड़ जमीन पर एक आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा और इसे ऋचा घोष के नाम समर्पित किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम के मेयर को इस परियोजना की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

सिलीगुड़ी में हीरो की तरह हुआ स्वागत

2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 52 रन की ऐतिहासिक जीत के बाद ऋचा जब अपने गृहनगर सिलीगुड़ी लौटीं, तो उनका शानदार स्वागत हुआ। सड़कों पर हजारों प्रशंसकों ने उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (छ्क्क) के अध्यक्ष सौरव गांगुली भी मौजूद थे, जिन्होंने राज्य सरकार के साथ मिलकर ऋचा को सम्मानित किया। गांगुली और झूलन गोस्वामी ने उन्हें सोने की परत चढ़ा हुआ बैट और बॉल भेंट किया। पश्चिम बंगाल सरकार ने ऋचा को बंगा भूषण पुरस्कार, एक सोने की चेन और डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (छ्स्क्क) * के पद से नवाजा, यह उनके योगदान की अद्भुत पहचान है।

'भविष्य की भारतीय कप्तान': गांगुली ने की प्रशंसा

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने ऋचा की बल्लेबाज़ी और संयम की तारीफ करते हुए कहा कि वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। गांगुली ने कहा, 'ऋचा में कप्तानी की सभी खूबियां आत्मविश्वास, अनुशासन और निर्णायक मानसिकता हैं। आने वाले समय में वह भारतीय महिला टीम की कप्तान बन सकती हैं।'

विश्व कप में दमदार प्रदर्शन

ऋचा घोष का 2025 महिला विश्व कप शानदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए कई अहम पारियां खेलीं, जिनमें सबसे यादगार थी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी, जब भारत का स्कोर 102 पर छह विकेट था। उनकी बल्लेबाज़ी ने मैच का पासा पलट दिया और भारत को फाइनल की राह पर आगे बढ़ाया।

'होमबाउंड' को फ्लॉप नहीं मानते ईशान

नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक नीरज घेवान की पिछली फिल्म 'होमबाउंड' को दुनियाभर से प्रशंसा मिली। फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी सराहा गया। यही नहीं 'होमबाउंड' भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भी भेजी गई है। लेकिन इस सबके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और औंधे मुंह गिरी। अब फिल्म के लीड एक्टर ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के फ्लॉप कहे जाने और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत के दौरान ईशान ने होमबाउंड को लेकर बात की और कहा कि इसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अभिनेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह फिल्म असफल है। मुझे लगता है कि फिल्मों का सफर अलग होता है। जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, मुझे लगता है कि यह फिल्म लंबे समय तक चलेगी। मैं बॉक्स ऑफिस नंबर्स को इनकार करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मुझे आंकड़े बहुत अच्छी तरह पता हैं। लेकिन हमारी उम्मीद है कि यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। इसमें मैं अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने दूंगा।

एक समय ऐसी फिल्में भी करेंगी अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर छोटी फिल्मों के न चल पाने और अच्छी कमाई करने की जरूरत पर ईशान ने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब ऐसी फिल्में भी किसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म जितनी कमाई करेंगी। इससे चीजें बदल जाएंगी। इससे एक ऐसा माहौल बनेगा जहां ऐसी फिल्मों को पनपने व ज्यादा बनने का मौका मिलेगा। अभी बदकिस्मती से आपको ऐसी फिल्में कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। लेकिन इसमें बदलाव लाने के लिए दर्शकों को भी सहयोग करना होगा।

नीरज घेवान ने किया है निर्देशन

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान दो प्रवासी मजदूरों की सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एक मुस्लिम और दलित की बचपन की दोस्ती दिखाई गई है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं। जिन्हें लगता है कि यह नौकरी उन्हें वह सम्मान दिलाएगी, जो उन्हें अपनी-अपनी पृष्ठभूमि के कारण लंबे समय से नहीं मिल पाया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।

यामी ने भगवत गीता का किया जिक्र

बातचीत के दौरान यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है।

दर्शक मुझे प्यार करते हैं, और क्या चाहिए

साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाई। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

शाह बानो केस पर आधारित है 'हक'

जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भाा मांगती है।

सनी लियोनी संग शो 'स्प्लिट्सविला' होस्ट करेंगे करण कुंद्रा

सीरियल 'कितनी मोहब्बत है' से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के 'रोडीज' और 'लव स्कूल' को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला x6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला x6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। वह पीटीआई से की गई बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। 'स्प्लिट्सविला' शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है।' करण आगे कहते हैं, 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा।'

क्या है शो का कॉन्सेप्ट

करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने किया बड़ा खुलासा

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म जटाधरा में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है। एट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के तरीके पर चर्चा की है।

काम के घंटो को लेकर या बोलीं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा से हिंदी और तेलुगु इंडस्ट्री के काम करने के तरीके में अंतर के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ज्यादा अंतर नहीं हैं लेकिन उनकी (साउथ) टाइमिंग बहुत अच्छी है, बहुत व्यवस्थित है। वे सिर्फ कुछ खास घंटों के लिए ही काम करते हैं। वहां वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत अच्छा है, जो हम उनसे जरूर सीख सकते हैं। मुझे लगता है कि यह उस बारे में सच में बहुत अच्छी बात है। मैं कहूंगी कि यह थोड़ा ज्यादा अनुशासित है।

अलग-अलग भाषाओं में फिल्म करना चाहती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे बातचीत करते हुए कहा, मैंने पहले एक तमिल फिल्म (लिंगा) की है और अब यह तेलुगु फिल्म कर रही हूं। मुझे नहीं लगता कि अब भाषा कोई रुकावट है। मैं और भी भाषाओं को एसप्लोर करना चाहूंगी।

निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हैं एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, मैं अपने निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हूं क्योंकि वे फिल्म के साथ ज्यादा समय तक रहे हैं। वे राइटिंग प्रोसेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें आइडिया होता है। और एक एक्टर के तौर पर, यह मेरा काम है कि मैं उसे पूरा करूं। अगर मुझे लगता है कि मेरे इनपुट की जरूरत है, अगर मैं इसे किसी खास तरीके से निभाना चाहती हूं या कुछ अलग करना चाहती हूं, तो मैं कहती हूं। लेकिन ज्यादातर, मैं वही करने की कोशिश करती हूं, जो मेरे डायरेक्टर का विजन होता है।

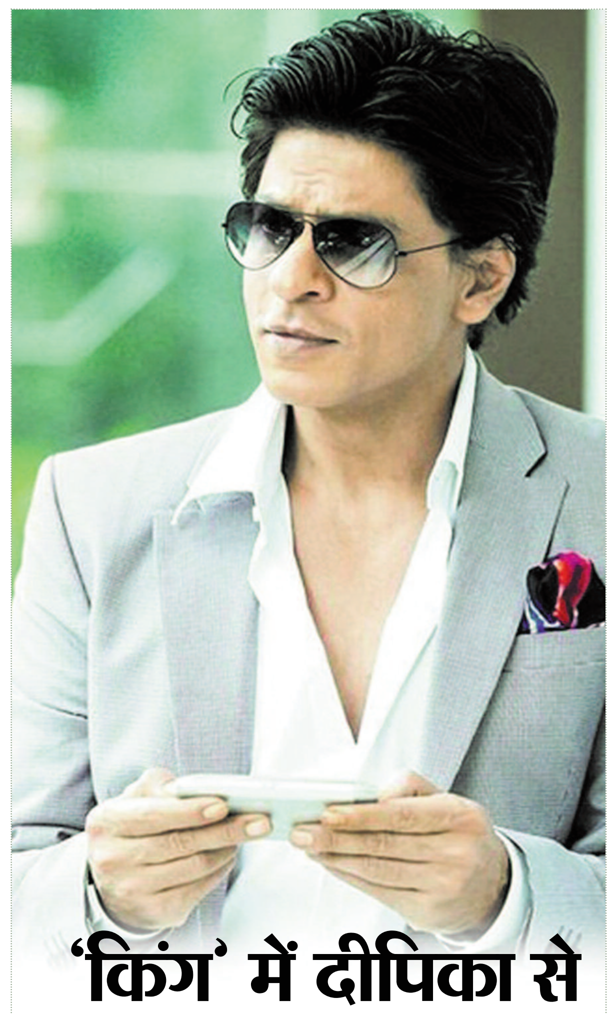

'किंग' में दीपिका से रोमांस करेंगे शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक और टाइटल रिवील किया गया। इसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और व्यूज के मामले में रिकॉर्ड स्थापित कर दिए। वहीं जन्मदिन पर एक फैन मीट के दौरान शाहरुख ने फिल्म से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान शाहरुख ने इशारों-इशारों में ये भी कंफर्म कर दिया कि फिल्म में उनका और दीपिका का लव एंगल होगा।

धीरे-धीरे आपको फिल्म के बारे में मिलेगी जानकारी

फैन मीट के दौरान एक प्रशंसक ने शाहरुख से 'किंग' के कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा। हालांकि, इस पर शाहरुख ने साफ कहा कि मैं फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ भी आपको नहीं बता सकता हूं। जैसे-जैसे और भी चीजें सामने आएंगी, आपको फिल्म के बारे में अधिक पता चलेगा। फिल्म में कई किरदार हैं। फिल्म का मकसद यह है कि जब हम चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम बड़े फैसले लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है या नहीं। साथ ही हम किंग में किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अगर आपको हमारा आइडिया पसंद आए, तो इसे जरूर अपनाएं। या फिर आप इसकी आलोचना भी कर सकते हैं।

इस इवेंट के दौरान एक प्रशंसक ने चिल्लाकर कहा कि उनके मन में शाहरुख के लिए बहुत सारा प्यार है। इस पर तुरंत ही शाहरुख ने मजेदार अंदाज में कहा कि मेरे साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। इसलिए प्यार तो जरूर ही होगा। शाहरुख के इस बयान के बाद ही ऐसे कयास लगाए जाने लगे हैं कि फिल्म में दीपिका और शाहरुख के बीच लव एंगल दिखाया जाएगा। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभी तक सामने नहीं आई रिलीज डेट

'किंग' अगले साल 2026 में रिलीज होनी है। अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'किंग' में शाहरुख के साथ उनकी लाडली सुहाना खान भी नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा

90 के दशक की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे अंतराल के बाद वह फिल्म 'जटाधारा' से बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रही हैं। खास बातचीत में शिल्पा ने अपने इस नए सफ़र, फिल्मों से दूरी और एक नए दौर की शुरुआत को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि विदेश में बसने के कारण उन्होंने एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन उनका दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा। शिल्पा अब एक गहराई भरे निगेटिव किरदार 'शोभा' में दिखेंगी — जो लालच, महत्वाकांक्षा और भीतर की जद्दोजहद से जूझती एक जटिल महिला है।

शिल्पा जी, आपने 90 के दशक में कई फिल्में कीं और फिर अचानक स्क्रीन से गायब हो गईं। दर्शकों ने आपको बहुत मिस किया। उस ब्रेक के पीछे क्या वजह थी?

यह मेरा बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला था। शादी के बाद मैंने खुद को एक्टिंग से दूर कर लिया था, क्योंकि हम विदेश चले गए थे। पहले नीदरलैंड, फिर न्यूज़ीलैंड और बाद में लंदन में रहते हुए बॉलीवुड में काम जारी रखना मुश्किल था। हाँ, अगर मैं मुंबई में रहती, तो ज़रूर काम करती रहती, लेकिन विदेश में बसने का मतलब था कि मुझे अपने नए जीवन और परिवार को प्राथमिकता देना, जो मैंने किया।

उस दौर में आपने अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, गोविंदा, सुनील शेट्टी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बड़े नामों के साथ काम किया। वह अनुभव कैसा रहा?

वो अनुभव मेरे लिए एक आशीर्वाद जैसा था और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। काम से ज्यादा मैंने उन सबसे प्रोफेशनलिज़्म सीखा। हालांकि मैं हमेशा से ही अमिताभ जी की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। इसके अलावा अनिल कपूर, मिथुन दा और सुनील शेट्टी भी मेरे लिए बहुत सपोर्टिव रहे हैं। हालांकि उस दौरान सेट पर एक परिवार जैसा माहौल रहता था। सब एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते थे और हर दिन एक नई ऊर्जा के साथ काम होता था।

आपकी फिल्म जटाधारा रिलीज़ होने जा रही है। इस फिल्म से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

जटाधारा हम सभी के लिए एक सफ़र जैसा रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह दर्शकों के लिए भी एक शानदार सफ़र होगा। यह कहानी बहुत अलग और प्रभावशाली है। यह उन फिल्मों में से है, जो देखने के बाद भी आपके साथ रहती है। हमने इसमें दिल से मेहनत की है। हर किरदार की अपनी गहराई और पहचान है, और मुझे यक़ीन है कि दर्शकों को हर किरदार में खुद से जुड़ाव महसूस होगा।

जटाधारा में आपके किरदार की क्या खासियत थी, जिसने आपको यह रोल करने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर- इस फिल्म में मैं शोभा का किरदार निभा रही हूं और मुझे उसकी जटिलता ने बहुत आकर्षित किया। वह लालच में डूबी हुई है और अपने सामान्य जीवन से ऊब चुकी है। उसे ऐश्वर्य, ताकत और शोहरत चाहिए। यह मेरा पहला निगेटिव रोल है, और यही चीज़ मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित कर रही थी। मैं ज़्यादा नहीं बता सकती, पर यह ज़रूर कहूंगी कि सभी को यह फिल्म ज़रूर देखनी चाहिए!

जटाधारा में आपके किरदार को लेकर काफी चर्चा है। आप इस फिल्म से कैसे जुड़ीं?

यह सब मेरे बिग बॉस से निकलने के बाद शुरू हुआ। वहां से निकलते ही जटाधारा की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने मुझसे संपर्क किया और इस रोल के बारे में बताया। जैसे ही मैंने किरदार के बारे में सुना, मैं तुरंत उस किरदार की तरफ आकर्षित हो गई। कहानी में एक सच्चाई और कच्चापन था, जो मेरे दिल को छू गई। मैंने बिना वक्त गंवाए अपना काम शुरू कर दिया और सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ता चला गया।

इतने सालों बाद एक ऐसी फिल्म के साथ वापसी करना, जो सामाजिक और पौराणिक दोनों पहलुओं को छूती है। क्या आपको कोई दबाव महसूस हुआ?

बिल्कुल नहीं। पहले दिन से ही मुझे इस फिल्म और इसकी कहानी पर पूरा विश्वास था। मेरे को-स्टार्स, निर्देशक और निर्माता सब बहुत सपोर्टिव थे। सच कहूँ तो दबाव की बजाय काफी उत्साह था, क्योंकि मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव था।

इस फिल्म के लिए आपने कोई खास तैयारी की थी?

सच कहूं तो शोभा बनने के लिए तैयारी से ज़्यादा, अपने किरदार को समझने की ज़रूरत थी। हालांकि टीम ने इस पूरी प्रक्रिया में मेरी बहुत मदद की। इसके अलावा कहानी इतनी साफ़ और स्पष्ट थी कि सेट पर जाते ही मैं अपने किरदार में ढल जाती थी।

क्या आप भविष्य में फिर से इसी टीम के साथ काम करना चाहेंगी?

बिल्कुल! सोनाक्षी एक शानदार आर्टिस्ट हैं। सेट पर उनके अंदर कोई अहंकार नहीं था। वह पूरी तरह निर्देशक की अभिनेत्री हैं और उनका जोश कमाल का था! आज-कल की भाषा में कहें तो हम दोनों की वाइब काफी मैच करती है, जैसे हम एक जैसी बातें करते हैं, एक जैसी चीज़ें पहनते हैं। पूरी टीम बहुत शानदार है और मैं सभी के साथ दोबारा काम करने का इंतज़ार कर रही हूं।

आपके कमबैक का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

सच कहूं तो कोई ख़ास मंत्र नहीं है। हाँ, यह ज़रूर कहूंगी कि फिल्मों से दूर रहने के बावजूद मेरा दिल हमेशा यहीं था। अब मैंने तय कर लिया है कि कभी कभी नहीं नहीं कहूंगी, बल्कि हर अवसर के साथ खुद को नया बनाती रहूंगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।